बुलेटिन
यावासायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा
एड्स : एक यावासायिक बीमारी
अप्रैल 1993

एड्स एक ऐसी बीमारी है जिसमें यूवीआर के कोशिकाओं की तुलना में अधिक दर्जा प्राप्त होती है। इसे यावासायिक शरीर में उदारों के त्वचा में भी एक समय के बाद उत्पन्न होता है। यह एड्स के कारण कई वजहों से शरीर में नियततः बीमारी विकसित होती है। इनके द्वारा गर्भाशय में रोगी स्त्रियों से बचने के लिए एड्स से बचने के लिए कुछ उपायों की जरुरत है।

एड्स की जन्मदिन से केवल 10 साल बाद ही हजारों लोगों की मौत हो रही है। इसके कारण यह एड्स के लिए कुछ उपायों की जरुरत है। इनमें इन्द्राधि के नियम का पलटवार दूर करना, नशीले खुराक नियंत्रण, सड़क रुकना, लापता होने से बचना है। इन उपायों का अनुसरण द्वारा एड्स के लिए कुछ उपायों की जरुरत है।

एड्स का कारण जन्मदिन से केवल 10 साल बाद ही हजारों लोगों की मौत हो रही है। इसके कारण यह एड्स के लिए कुछ उपायों की जरुरत है। इनमें इन्द्राधि के नियम का पलटवार दूर करना, नशीले खुराक नियंत्रण, सड़क रुकना, लापता होने से बचना है। इन उपायों का अनुसरण द्वारा एड्स के लिए कुछ उपायों की जरुरत है।

एड्स का कारण जन्मदिन से केवल 10 साल बाद ही हजारों लोगों की मौत हो रही है। इसके कारण यह एड्स के लिए कुछ उपायों की जरुरत है। इनमें इन्द्राधि के नियम का पलटवार दूर करना, नशीले खुराक नियंत्रण, सड़क रुकना, लापता होने से बचना है। इन उपायों का अनुसरण द्वारा एड्स के लिए कुछ उपायों की जरुरत है।

एड्स का कारण जन्मदिन से केवल 10 साल बाद ही हजारों लोगों की मौत हो रही है। इसके कारण यह एड्स के लिए कुछ उपायों की जरुरत है। इनमें इन्द्राधि के नियम का पलटवार दूर करना, नशीले खुराक नियंत्रण, सड़क रुकना, लापता होने से बचना है। इन उपायों का अनुसरण द्वारा एड्स के लिए कुछ उपायों की जरुरत है।

एड्स का कारण जन्मदिन से केवल 10 साल बाद ही हजारों लोगों की मौत हो रही है। इसके कारण यह एड्स के लिए कुछ उपायों की जरुरत है। इनमें इन्द्राधि के नियम का पलटवार दूर करना, नशीले खुराक नियंत्रण, सड़क रुकना, लापता होने से बचना है। इन उपायों का अनुसरण द्वारा एड्स के लिए कुछ उपायों की जरुरत है।

एड्स का कारण जन्मदिन से केवल 10 साल बाद ही हजारों लोगों की मौत हो रही है। इसके कारण यह एड्स के लिए कुछ उपायों की जरुरत है। इनमें इन्द्राधि के नियम का पलटवार दूर करना, नशीले खुराक नियंत्रण, सड़क रुकना, लापता होने से बचना है। इन उपायों का अनुसरण द्वारा एड्स के लिए कुछ उपायों की जरुरत है।

एड्स का कारण जन्मदिन से केवल 10 साल बाद ही हजारों लोगों की मौत हो रही है। इसके कारण यह एड्स के लिए कुछ उपायों की जरुरत है। इनमें इन्द्राधि के नियम का पलटवार दूर करना, नशीले खुराक नियंत्रण, सड़क रुकना, लापता होने से बचना है। इन उपायों का अनुसरण द्वारा एड्स के लिए कुछ उपायों की जरुरत है।

एड्स का कारण जन्मदिन से केवल 10 साल बाद ही हजारों लोगों की मौत हो रही है। इसके कारण यह एड्स के लिए कुछ उपायों की जरुरत है। इनमें इन्द्राधि के नियम का पलटवार दूर करना, नशीले खुराक नियंत्रण, सड़क रुकना, लापता होने से बचना है। इन उपायों का अनुसरण द्वारा एड्स के लिए कुछ उपायों की जरुरत है।
कपास - धूल : यह आपको कैसे प्रभावित करती है?

पास के बीच काम करते हुए उसकी सफाई-सफाई के दीर्घा के भीतर जो धूल निकालती है यह सफाई उसके लाभ है। तथा कपास का उपयोग होता है। कपास धूल ने केवल कपास को नहीं संशोधित करती बल्कि पक्ष की आड़-पक्ष और कपास की सफाई-सफाई के दीर्घा भी फैला देती है।

कपास धूल के पते-पत्ते के पते जो दिखाई भी नहीं देते यह सघनता होती है। जब कपास लैंग दे दे तथा दीर्घा के अल्बिनोलिओ फेंकते हैं तो धूल निकटता है। इसलिए फेंकते की तरीका धूल है। अल्बिनोलिओ फेंकते की तरीका धूल है। जब धूल सफाई के लिए डायरेक्टर कि दीर्घा निकालता है। कपास धूल अल्बिनोलिओ के लिए डायरेक्टर कि दीर्घा निकालता है। इसमें आप को आया होता है। जब ते-जी कपास का नाटक विकलान जाता है, तो वे कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास कपास के लिए आया होता है।

विशिष्टताओं के द्वारा सिंहल के पते वहाँ धूल निकालता है। मार्गणी द्वारा तथा 1746 में हुई जो कि व्यासात्मक व्यवसायों के द्वारा लाया जाता है। उसके पार से इस बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है। इसमें बीमारी के बाहर निकलता है।
विचार बिनु

अहमदाबाद कपड़ा मिल में विसनिसिस की बीमारी

शरुआत की दौरान व्यापारिक विश्लेषक समूह, रमणीय मंत्रालय और कामगारों
द्वारा किए गए प्रत्येक व्यक्तिगत अध्ययन पर ध्यान करने के, अध्ययन या
गलत पदार्थों के लिए छत्री करने का नहीं है।

इसलिए मैं इस अधिक होने का जाना है कि यह किसी तरह, साथी
आदिशासी, चित्र-पत्रिकाएं, जीवन और कामगार, अपनी जानकारी को
सामान्य लोगों के लिए व्याख्यात करने, जो जानकारी और अन्य के लिए
विचार करने वाले के लिए एक ऐसा है जो उन्हें प्रारंभिक और सरल को
भी स्पष्ट करने का।

'चूल जमते फेसों की बीमारी पर राशीदी अधिमा' ने अहमदाबाद
कपड़ा मिल मजदूरों में विसनिसिस की समस्या पर अध्ययन करने का
जो प्रयास किया है यह इसी दिशा में झड़ने का केंद्र प्रयास है।

प्रयास

अहमदाबाद देश के कपड़े मिलों का एक मुख्य घटक जो जहां 48 लोगों
में व्यापारिक मिल है। लेकिन जीवन के आयाम उन मिलों का चलन
है कि वे इस मिलों में काम कर रहे मिलिनिसिस, फेसों की एक
असाधारण बीमारी को लाभ देते हैं। यह बीमारी उन कामगारों को हो
जाती है जो कपड़ा, फुलानी और पुअआ धूल के बीच काम कर रहे हैं।
(एन.आई.आई.एन. (अहमदाबाद) ने यहां ही में जो संभावना किया उसमें
यह बात स्पष्ट है कि यह लगभग 30% क्षेत्र के और कर्म के 38%
कामगार इस बीमारी से पीड़ित हैं।

इस 1990 में धूल जमते फेसों की बीमारियों पर एक राशीदी
अधिमा चलाया गया जिसका उद्देश्य कामगार की धूल से उपनिसिस बीमारी
के बारे में कामगारों और ड्रेड उच्चतमों को जानने का था। अपने
काम के एक धूलिका के लिए पर इस अधिमा ने (एन.आई.आई.एन. (दिनांक
िधिक विश्लेषक से पीड़ित कामगारों को लाइट.एन.एन. से
मुआवजा दिलाया के लिए नवीनता धूलजियों को ब्रेकिंग किया। इसके
पोस्टर आठ वर्ष के 13 जुड़वां कामगारों को जुड़वाना मिल चुका है।

यह सर्वेक्षण भी कामगारों और धूलिकाओं को लाभार्थ करने और
आपसी ताजा का दिना में एक कहानी है। इस सर्वेक्षण की कहानी केबल इस
बात की स्मृति है कि यहां के कामगार इस धूलवर बीमारी से पीड़ित हैं।

कामगारों द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण से यह भी स्पष्ट है कि
अधिक रूप से यह व्यापक जन-समूहों, सामुदायिक और कामगारों
द्वारा किए गए प्रत्येक व्यक्तिगत अध्ययन पर ध्यान करने के, अध्ययन या
गलत पदार्थों के लिए छत्री करने का नहीं है। इसलिए मैं इस
अधिक होने का जाना है कि यह किसी तरह, साथी
आदिशासी प्रांत-पत्रिकाएं, जीवन और कामगार, अपनी जानकारी को
सामान्य लोगों के लिए व्याख्यात करने, जो जानकारी और अन्य के लिए
विचार करने वाले के लिए एक ऐसा है जो उन्हें प्रारंभिक और सरल को
भी स्पष्ट करने का।

पद्धति:

यह सर्वेक्षण चार मिलों में किया गया: जुलियट मिल, राजनारायण मिल,
स्टार ऑफ गुनान और न्यू मलेक चौक। न्यूज़लेटर टेलिसाइल्ड कोंपानी
द्वारा व्यापक अहमदाबाद के सभी मिलों में स्वीकृति अवकाश प्रदान
योजना पढ़ने से चल रही है। इस प्रक्रिया में अपनी कामगार आत्मी नौकरियों से बाहर थे रहे हैं। इस चार मिलों में जुपिटर पूरी तरह से बंद हो गई है और राजनायक भी थोड़ी बहुत खिलखिल रहे हैं। बाकी दो मिलों आत्मी पूरी काम कर रहे हैं।

यूनियन की सहायता : इस प्रायम में दो बड़ी यूनियनों के सदस्यों ने भाग लिया। एन.ए.पी.के.मी. के श्री आशीष राय और मधुर महाजन के हीरोला प्रशासन मिश्र ने इस अध्ययन के लिए कामगारों को समर्पित करने की जिम्मेदारी उल्लिखित मिलों और कामगारों को सुनाव भी इन्हीं दो प्रतिनिधियों के मिले-जुले प्रयास से पूरा हुआ।

नपूनओं का प्रयास : परीक्षण के लिए कामगारों के चुनाव में हमारे किसी विशेष लक्षण का उपयोग नहीं किया है। मिलों में यह घोषणा की गई थी कि उन्हीं कामगारों का परीक्षण किया जाएगा कि कारी विषय में काम कर रहे हैं। लेकिन यदि कोई दूसरे विषय का कामगार आता है तो उसका परीक्षण और तक्त दर्ज किया जाएगा।

हमने इन चार मिलों में 362 कामगारों का परीक्षण किया। राजनायक

पैडल की बिक्रीशीलता का जांच (जंग फ़ैक्टर टेस्ट) :

फंडों की बिक्रीशीलता की जांच रहा लैटिमीटर VW-1 हारा की जाती है जिसमें PVC, FVC, FEV/FVC, और PEF की डिजिटल रिंडिंग आती होती है। हर कामगार को यह उपकरण का उपयोग करना चाहिए। इसका बीज देने के साथ-साथ इसको करने भी दिखाया रहना चाहिए है, उसके उपरांत हर कामगार की तीन बार रिंडिंग ली जाती है और सबसे ऊपरी रिंडिंग को दर्ज कर दिया जाता है। कोई भी कामगार जिसकी FEV/FVC = 80-85% से ज्यादा है उसका समायोजन माना जाता है, यदि उसके व्यासाधिकार बीरे (ईट्रास) और ब्लाड एम लक्षणों में भी समानता पाई जाती है। जबकि इसी कारण को विरोध FVC/FVC बाद 75% या उससे कम है, तो सिफारिश के रोगी को कोट में हटा दिया जाता है।

फंडों की बिक्रीशीलता की जांच जंग फैक्टर टेस्ट :
भाषात्मक स्वागत युवा जनित्व

भाषात्मक स्वागत युवा जनित्व

अधिक पाया गया। महत्वपूर्ण बात तो यह है कि विशिष्ट लक्षण के अधिकांश कामगार स्टार ऑफ गुनवत् ने स्वयं ही बने हैं।

इसके प्रभाव में रहने के वर्ष : इनमें अधिकांश कामगार (249) अपने-अपने मिलों में 11 से भी अधिक वर्ष से काम कर रहे हैं। जबकि 81 कामगार ऐसे थे जिन्होंने इन मिलों में अपने काम के 21 वर्ष पूरे कर लिए हैं।

छात्री की वेंचरी : अतिमन हर तीन व्यक्तियों में दो व्यक्तियों की छात्री में वेंचरी रहने की शिकायत थी। 359 में रहे 258 कामगारों ने इस तरह की शिकायत की। यद्यपि छात्री में जड़कन की समस्या अवश्यकता कम लोगों के नतीजे में वाली। कुल 177 लोगों ने ही छात्री में जड़कन रहने की शिकायत की।

खानी और बलगम : परीक्षण किये गए कुल कामगारों (44.29% यहाँ 159 कामगारों ने पिछले 2 सालों से खानी-बलगम रहने की समस्या दर्ज कराई और लागू होने की कामगारों (160) ने बताया कि उनके सुझाव उठाने पर कई बलगम नहीं निकलता जबकि 199 कामगारों ने बलगम निकलने की पीड़ा बताई। आस्तियाँ और खानी के साथ बलगम निकलने पर को ही वातावरण खतरा नहीं गणना जाता है बल्कि कमाल धूल में काम करने के इतिहास के परिप्रेक्ष्य में विशिष्टता होने का एक संकेत मिलता है।

सांत पूलना : इनमें अधिकांश कामगारों ने सांत पूलने की शिकायत की। तीन में से एक कामगार ने बताया कि उसके चाड़ने पर उसका सांत पूलने होता है। जबकि 5% में अधिक कामगारों का कहना था कि योग्य चलने पर ही उनका सांत पूलने होता है।

मिलों पर आम रिपोर्ट

जुगटर मिल, अहमदाबाद

5 जून 1993 के दिन कुल 115 कामगारों का परीक्षण दिया गया। इन 115 कामगारों में 102 (88.68%) पुरुष थे और 13 (11.32%) महिलाएं। इस फैक्टरी में इन्हें बाल जीवन को उन्नति मिली नहीं थी। लेकिन इनमें अधिकांश कामगार 37-55 (69 कामगार) वर्ष की उम्र के थे। सिर्फ 6 कामगार ही 55 वर्ष से अधिक थे।

बो रुग का एक भी प्रतिनिधि नहीं था लेकिन कार्य रूप के 17 कामगार (14.78%) जनरल उपस्थित थे। अधिकांश कामगार रिकॉर्ड संख्या (69 कामगार यहाँ 59.99%) से थे। यहाँ 88 कामगार (76.51%)
62 कामगारों (77.50%) ने छाती में बेचनी रहने की समस्या क्षति को 41 (51.25%) कामगार ने पूरे दिन छाती में जड़कन रहने की। 46 कामगारों (57.50%) ने बताया कि छुट्टी के अंतर्वर्त में काम पर लौटने पर उनकी हातता काफी खराब हो जाती है। इसका अर्थ है कि जब वे छुट्टी के अंतर्वर्त में काम पर लौटते हैं तो उनके अन्य दिनों की तुलना में छाती न किसी जड़कन रहती है, जो की बिस्मिलिसिस होने का सबसे बड़ा लक्षण है।

44 (55%) कामगारों का सुरक्षित जल्दी खाने आदत है। 40 कामगार ने ऐसे पाए गए जिन्हें पूरे दिन में 3 महीने से तो लगातार छाती की खालमाय कर रहे हैं। यह इस तथ्य की तुलना कामगारों की शिकार में काम न हो जाती है, जो की बिस्मिलिसिस होने के कारण आदत कर रहे हैं। इसलिए, इस दिन की शिकायत के बारे में कामगारों के बीच इस तरह की समस्या नहीं है जबकि 41 (51.25%) कामगारों में इस तरह की परेशानी का जिक्र किया।

अधिकांश कामगार (37 या 46.25%) सारे फूलों की समस्या से प्रभुत्व रहे जिस में 31 कामगार (38.75%) (या इस के तीनों में एक) ऐसे जो की बिस्मिलिसिस से पीड़ित पाए गए। उनका FVC/FEV1 प्रतिशत 75 प्रतिशत से भी कम था।

स्टार ऑफ़ गुजरात

8 जनवरी 1993 के दिन स्टार ऑफ़ गुजरात के 80 कामगारों का परीक्षण किया गया। इस 80 कामगारों के परीक्षण में 15 (18.75%) को रूप में, 36 (25.00%) काफी रूप से और 39 (48.75%) रिप्रेम सेवन के बीच थे। इस दशा में, उनके साथ 42 (52.50%) कामगार ऐसे जो इस मिल में 11-20 वर्ष की अपनी शैक्षिक पूर्वतंत्र का एक चिह्न दिखाया। 57 (71.25%) कामगार ने अपना चिह्न इसी मिल से उत्पन्न किया था। इस क्रूज का एक दूसरे दिन की पारिता के कामगारों से मिलने की कोशिश की गई। इस परीक्षण में 46 कामगार पहली पारी की, 7 दूसरी पारी के और 25 कामगार तीसरी पारी के बीच थे।

लगभग सभी कामगारों (77 कामगार, या 96.25%) ने छाती में समस्या का जिक्र किया जो 63 कामगारों (78.75%) ने काम शुरू करने पर छाती में जड़कन बना रहने की खालमात की। 49 कामगारों (61.25%) ने बताया कि छुट्टी के अंतर्वर्त में काम पर लौटने पर इनके अन्य दिनों की आपेक्षिक प्याटा रहती है। इसका अर्थ है कि कामगार लोगों की छाती (या अन्य स्थान) के पहले दिन की प्याटा से प्रभुत्व है और यही बिस्मिलिसिस की बीमारी में भी होता है जिसमें हमें पहले दिन छाती में काफी बेचनी रहती है।
बिस्निनिस्टिक की बीमारी जानकारी की स्वीकृत पद्धति में छुट्टी के उपरात काम की पहली पारी में लोटने पर और काम के अंत में फेफड़े की विकाशात्मक की जाँच की जाती है। इसी दोनों रीढ़ों से काम के केंद्रों में पूल के प्रभाव का पता चलता है।

भारतीय रेड्स में फेफड़े की विकाशात्मक जाँच की काफी सीमित सुविधाएं हैं और वह भी मुख्यतः वैज्ञानिक विसर्जनों के पास जो अपना कार्यक्रम या अध्ययन से आए, आदेश के आधार पर शीर्ष करते हैं। यह प्रकार है कि काम के क्षण के स्वास्थ्य के प्रमाण झेल और उन पर निर्भरी रहने के लिए जल्दी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। जून के कारण या युवाओं का इस वैज्ञानिक प्रश्न में सहयोग नहीं है इसलिए तहसील की जो क़ीड़ असर बढ़ाती है। किसी भी युवाओं के लिए इन खड़े आदेशों (फेफड़े) को मांगे पर ताला इसलिए असर चलाता है क्योंकि ये जान सबसे पहले दिन ही वक जाने जाती हैं: आत्म सुविधाएं के लिए इन भवन के पेड़ों और उन शैक्षणिक को कृत की नियमावली असरदर हो जाता है।

इस अवधारण के लिए अपेक्षित उपकरण (साइट वेबलोगर VM1) रेड्स में उपयोग करता है।

एम्पीएच.आई. की जाँच के परिणाम सत्य के विवेक करता है। यदि कोई विवाद आया तो मेडिकल वॉर्ड बालों की मान्यता का नियमावली करने है। ये बालों छोटे छोटे के कोट दिन जाँच नहीं करते हैं क्योंकि आप युवाओं से नहीं रोज़ भोजन बताते हैं। हाल ही में इ.एच.आई. ने एक अभियंता कार्य की जिसके अनुसार की तरीके कोई भी काम के विज्ञान विनिर्माण की जाँच करने के लिए आता है तो उसे प्राइज के 48 घंटे तक कोई भी काम नहीं किया हुआ होना चाहिए। इस सत्यता के किसी भी फेफड़े की विकाशात्मक की जाँच करने के सत्य परिणाम दिए जा सकते हैं काफी स्वास्थ्य तथा काम कार्य 48 घंटे तक इसके प्रभाव में न रह तो वे सीमित को पेड़ों से रोज़ बताते हैं और उस पर निर्भरी रहने के कोट से प्रभावित करने हो सकते हैं?

ये वांछित काम की गलों पर उपलब्ध नहीं करने चाहिए, ताकि वे अपने स्वास्थ्य की रक्षा कर सकें?

चर्चा

जानकार है कि हमारी बीमारी की मात्र भी कंतक नहीं है। हमारा विवाद है कि इस रिसर्च के आधार पर काम करना और उनकी युवाओं के दूर सेवा प्राप्तिका के लिए, उपयुक्त प्रशासनों पर दबाव डाल पाने में समर्थ होने और कर्मचारी राज्य वीमा जानकारी से मुक्ति पाने की धारा में तब सकते हैं। ये एक युवा देश है जिसके तहत काम करने के दौरान हुई बीमारी और समय कर सकने की क्षमता में हुई गिरावट के लिए मुआवजा दिखाया जाता है।

विश्वसायिक स्वास्थ्य बुलेटिन
पहली बात यह कि इस खोज से दो बातें उपरोक्त। - 30 प्रतिशत कामगारों में विस्तारितिस के लक्षण दिखे और कई कामगार डी.वी., विक, ब्रैकिटेज हवाद के अन्य पंजों की बीमारियों से पीड़ित हैं। हमारा मानना है कि इन बीमारियों को धूसरवाया या इसी तरह के अन्य आदर्शों के कारण मान लेने के बजाय इसका और हूल के बीच के संचालों को जोड़कर समझाना होगा। यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आंतरराष्ट्रीय धारा संगठन का कहना है कि इन बीमारी की आगे की अस्थायकों में विस्तारितिस और अन्य श्वास संचालों समस्याओं के बीच भेद कर पाना मुश्किल हो जाता है। इसलिए बीमारी का सही जालजा लेने के लिए हमें और अधिक जीवन प्रदाता की जरूरत है जिसमें वास्तविक कारणों का पता चल सके।

जैसकौ हमने पहले बताया है कि यह पहला कदम कामगारों को स्वयं शोथ कर पाने में सहयोग देने की दिशा में है ताकि उन्हें अपना दावा ठोकने और तर्क दे पाने में सुविदा हो। अंत: इन ठोकों से अधिक महत्वपूर्ण इस अभ्यास को करने की प्रक्रिया है। यही की प्रक्रिया है जिसे वूलियनों और कामगारों को अपने हाथ लेना होगा ताकि वे अपने सही दावों के लिए आवाज बुलंद कर सकें।

<table>
<thead>
<tr>
<th>संकेत</th>
<th>अ : स्टार ओफ़ गुनाह बिल्ला</th>
<th>च : राजनार बिल्ला</th>
<th>ज : नया मानक बिल्ला</th>
<th>द : जुहँदर बिल्ला</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>तालिका 1</td>
<td>(विभाग)</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>मिल का नाम</td>
<td>खोरा रूप</td>
<td>कार्य रूप</td>
<td>कुलर</td>
<td>क्लास</td>
</tr>
<tr>
<td>अ</td>
<td>15(18.75%)</td>
<td>26(32.50%)</td>
<td>0 (0%)</td>
<td>39(46.75%)</td>
</tr>
<tr>
<td>च</td>
<td>4 (4.76%)</td>
<td>9 (10.71%)</td>
<td>1 (1.19%)</td>
<td>53(63.09%)</td>
</tr>
<tr>
<td>स</td>
<td>8 (10%)</td>
<td>9 (11.25%)</td>
<td>25(31.25%)</td>
<td>27(33.75%)</td>
</tr>
<tr>
<td>द</td>
<td>0 (0%)</td>
<td>17 (14.79%)</td>
<td>14 (12.17%)</td>
<td>69(59.99%)</td>
</tr>
<tr>
<td>इंटीग्रैटेड</td>
<td>27(7.52%)</td>
<td>61(17%)</td>
<td>40(11.14%)</td>
<td>188(52.36%)</td>
</tr>
</tbody>
</table>
### तालिका II (काम के वर्ग)

<table>
<thead>
<tr>
<th>मिल का नाम</th>
<th>0 - 10</th>
<th>11-20</th>
<th>21-30</th>
<th>31- से ऊपर</th>
<th>जवाब नहीं</th>
<th>कुल</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>अ</td>
<td>16 (20%)</td>
<td>42 (52.8%)</td>
<td>17 (21.25%)</td>
<td>3 (3.75%)</td>
<td>2 (2.50%)</td>
<td>80</td>
</tr>
<tr>
<td>ब</td>
<td>3 (3.52%)</td>
<td>64 (75.18%)</td>
<td>12 (14.28%)</td>
<td>5 (5.95%)</td>
<td>0</td>
<td>84</td>
</tr>
<tr>
<td>ग</td>
<td>5 (6.25%)</td>
<td>55 (68.75%)</td>
<td>13 (16.25%)</td>
<td>7 (8.75%)</td>
<td>0</td>
<td>80</td>
</tr>
<tr>
<td>द</td>
<td>3 (2.6%)</td>
<td>88 (75.51%)</td>
<td>22 (28.12%)</td>
<td>2 (1.73%)</td>
<td>0</td>
<td>115</td>
</tr>
</tbody>
</table>

27(7.52%) 249(69.36%) 64(17.83%) 17(4.73%) 2(0.55%) 359

### तालिका III

ऐसे कामगार जो मिले 3 महीनों से भी अधिक फेफड़े की बीमारी से पीड़ित हैं

<table>
<thead>
<tr>
<th>मिल का नाम</th>
<th>रंख्या</th>
<th>कुल</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>अ</td>
<td>65 (81.25%)</td>
<td>80</td>
</tr>
<tr>
<td>ब</td>
<td>34 (40.47%)</td>
<td>84</td>
</tr>
<tr>
<td>ग</td>
<td>51 (63.75%)</td>
<td>80</td>
</tr>
<tr>
<td>द</td>
<td>30 (26.08%)</td>
<td>115</td>
</tr>
</tbody>
</table>

180 (50.13%) 359

### तालिका IV एक.ई.बी. / एक.बी.बी. %

<table>
<thead>
<tr>
<th>मिल</th>
<th>0 - 75</th>
<th>76-85</th>
<th>86 से ऊपर</th>
<th>जवाब नहीं</th>
<th>कुल</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>का नाम</td>
<td>का नाम</td>
<td>का नाम</td>
<td>का नाम</td>
<td>का नाम</td>
<td>का नाम</td>
</tr>
<tr>
<td>अ</td>
<td>29(36.25%)</td>
<td>31(38.75%)</td>
<td>19 (23.75%)</td>
<td>1(1.25%)</td>
<td>80</td>
</tr>
<tr>
<td>ब</td>
<td>18(21.42%)</td>
<td>23(27.36%)</td>
<td>41(48.80%)</td>
<td>2 (2.38%)</td>
<td>84</td>
</tr>
<tr>
<td>ग</td>
<td>31(38.75%)</td>
<td>27(33.75%)</td>
<td>18(22.50%)</td>
<td>4(5.00%)</td>
<td>80</td>
</tr>
<tr>
<td>द</td>
<td>24(20.6%)</td>
<td>41(35.64%)</td>
<td>48(41.73%)</td>
<td>2(1.73%)</td>
<td>115</td>
</tr>
</tbody>
</table>

102(28.41%) 122(33.99%) 126(35.50%) 9(2.50%) 359

### तालिका V (साल सूचना)

<table>
<thead>
<tr>
<th>मिल का ग्रेड</th>
<th>G 0</th>
<th>G 1</th>
<th>G 2</th>
<th>G 3</th>
<th>G 4</th>
<th>जवाब नहीं</th>
<th>कुल</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>नाम</td>
<td>अमेरि</td>
<td>अमेरि</td>
<td>अमेरि</td>
<td>अमेरि</td>
<td>अमेरि</td>
<td>अमेरि</td>
<td>अमेरि</td>
</tr>
<tr>
<td>अ</td>
<td>9(11.25%)</td>
<td>40(50.0%)</td>
<td>10(12.30%)</td>
<td>6(7.50%)</td>
<td>10(12.50%)</td>
<td>5(6.25%)</td>
<td>80</td>
</tr>
<tr>
<td>ब</td>
<td>15(17.85%)</td>
<td>31(38.90%)</td>
<td>2(2.38%)</td>
<td>5(5.95%)</td>
<td>0(0%)</td>
<td>31(36.90%)</td>
<td>84</td>
</tr>
<tr>
<td>ग</td>
<td>12(15.00%)</td>
<td>37(46.25%)</td>
<td>2(2.50%)</td>
<td>9(11.25%)</td>
<td>6(7.50%)</td>
<td>14(17.50%)</td>
<td>80</td>
</tr>
<tr>
<td>द</td>
<td>21(18.25%)</td>
<td>25(21.73%)</td>
<td>5(4.34%)</td>
<td>16(3.91%)</td>
<td>2(1.73%)</td>
<td>46(39.99%)</td>
<td>115</td>
</tr>
</tbody>
</table>

57(15.88%) 133(37.04%) 19(5.30%) 35(10.02%) 18(5.01%) 96(26.75%) 359
विलायक (साल्वेन्ट्स)

आपके मस्तिष्क को क्षति पहुंचाते हैं!

कार्बनिक विलायक (अंग्रेजी साल्वेन्ट्स)

मस्तिष्क में बिकार उत्पन्न कर सकते हैं; पर्यावरण को प्रभावित कर सकते हैं;
इसके साथ पर इस्तेमाल किया जा सकता है।

कार्बनिक विलायकों (अंग्रेजी साल्वेन्ट्स)
के स्थान पर अन्य दूसरे विलायकों के इस्तेमाल के लिए यूरोपीय अधिनयन सितम्बर 1992 में शुरू किया गया।

सामाजिक विलायकों से लोगों के मस्तिष्क को नष्ट करने की वात इकानी फिल्मों का मसाला लगता है। लेकिन यह एक शिक्षा तथ्य है। कार्बनिक विलायकों (अंग्रेजी साल्वेन्ट्स) के प्रभाव में काम करने वाले लोगों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती है जा रही है। अभी तक सरकार ने “सामाजिक गाढ़े-विषाणुता” (कामिकल न्यूट्रोनिकसिसटी) को काम की जगहों पर होने वाली वीआरपी की आपनी सूची में सबसे ऊपर रखा है।

अभ्यास और देशों में प्रभावित मजबूतों को विलायक जोड़ता पागलपन” (“साल्वेन्ट डेसेम्ब्रिया”) के लिए सक्षम होना दी जाती है। इलेक्ट्रॉन में इस तरह के जोखिम को न तो गायत्री, दी गई है और न ही कोई मुआवजा हो दिया जाता है।

उद्योगों में विलायकों के हजारों इस्तेमाल हैं और इसमें से अधिकांश इस्तेमालों से पचा जा रहा है। परंतु उद्योग के उद्योगों में, विलायकों के लेख्न नामक परिस्थितियों तक और करेंटिंग प्लाइड से लेकर प्राय: नाम-नाम भी हुए वाली वीआर के तक प्राप्त किया जा सकता है। अतः आपने यह चुकियों लिख का इस्तेमाल किया है या फिर क्यूज़ गम इस्तेमाल किया है और इससे आपको चक्कर आने लगे हैं तो जाहिर है विलायकों ने श्रीमती और अस्तिए तीर्थ पर आपकी मस्तिष्क पर असर होला है। ऐसे विलायकों का नियंत्रित इस्तेमाल महत्वपूर्ण नहीं है।
“आप जितना सोचते हैं
उतना बेकूफ़ नहीं”

जब भी कम कर जागहों पर छूट जाते और जोड़ों के बारे में
कड़ी सबकारों जा जाती है तो आतंकी रूप का
वाद रखते है जब तक हमारे.

सिखाया था कि अपने अध्ययन के अवसर

(सालज्ञेन्स) भी कोई अपवाद नहीं है। डेनमार्क में तेल
उड़ोग ने 1984 में एक ऑपरेशन जारी किया। इस ऑपरेशन
के आड़ में साबित किया गया कि रंग-रोग का काम करने वालों
(“टेंटर्स”) के दिमाग को होने वाली नुकसान की वजह अत्यधिक
शारीरिक और निर्माण मुद्दत है। 2 ऑपरेशन के परिणाम "टेंटर्स"
के तरीके से संभवतः नहीं करते।

(सालज्ञेन्स) का काम में वेन्सर्स पर सालज्ञेन्स के भागों के
अध्ययन के लिए डाक। ऑपरेशन तथा वाल्ड़न ने विकटर काम किया
था।) विकास में कहा गया था कि "टेंटर्स" उड़ोग के नामकृत दल
के बारे में ऑपरेशन अभी अभ्यास के "सत्याप्त नहीं"
प्रकाशित नहीं करता है।

(1) प्रसन्ना एवं अनंत। अभिनविक सालज्ञेन्स : डॉक्टरमिडिटेशन
(2) डॉ. नाडर तथा ऑपरेशन (1986) अभिनविक सालज्ञेन्स गंड
प्रोटॉकॉल डीमिशन। ए. क्रिकेट रिव्यू ऑफ डी डेस्क नियंत्रण।
(3) डॉ. ऑपरेशन 2. उ. अभिनविक सालज्ञेन्स कोड डीमिशन?

सागर : डॉ. एन. आ. एन. दिसंबर, 1992
(1) आदित्य शास्त्री ने 27 जनवरी, 1993 को चालिया आदित्य शास्त्री कार्यालय (समीप जमालपुर, मध्य प्रदेश) में हुए एक सभाए में पांच मजदूरों की मौत हो गई।

(2) पवनजीवन कोटरी की विकलांग से हाय घायलों की मृत्यु:

(3) खाना करवाना में यो वरिक की मृत्यु:

(4) सांघर्षिक नाबालिग घायलों की मृत्यु:

(5) मजदूरों द्वारा जीवन बीमा लाभ की मांग:

(6) छठ दहन की जा दो मजदूरों की मृत्यु:

(7) दौड़ में गैस रिसी - 11 में:

व्यापारिक स्थायित्व खबरें
(8) चीन में विस्फोट : नौ मजदूर मरे
मार्च 1993 में एक बम को घेरने के लिए डिस्पेंसर करने की कोशिश कर रहे मजदूरों में से नौ मजदूर अजादन हुए। विस्फोट से उनका लोहा का कारण दिखाया गया। उल्लेखनीय है कि उसके होंद-खाने के श्रमिक इसके में किसी के 200 किलो. का एक बम पड़ा हिड़ा और उन्हें इस बम के तार पर वायरोशियों तथा वादाकंड को बेहद दिखा था। जब मजदूरों ने इस पर चौपाट इस्तेमाल किया तो वह फट गया। 200 मिली मार की दूरी पर वह मकान तक झटक गया।
जाना पर वह फटा उस जगह एक मीतर घर में गड़बड़ पड़ गया।
- हिंदुस्तान दृष्टि (नवी निदिल), 19 मार्च, 1993

(9) सात मजदूर जिन्दा रहे
17 मार्च, 1993 को राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में जीवान गांव में एक बुर्ज की खुलाकों के दौरान सात मजदूर -जिनमें वार महिलाओं की भी थीं - मिली मिलने से किन्तु डरकर हो गए।
- हिंदुस्तान दृष्टि (नवी निदिल), 19 मार्च, 1993
चौथें में दुर्भाग्य, न्याय नहीं 

चौथें में दुर्भाग्य, न्याय नहीं 

चौथें में दुर्भाग्य, न्याय नहीं 

चौथें में दुर्भाग्य, न्याय नहीं 

चौथें में दुर्भाग्य, न्याय नहीं
‘सिद्धि इन कैमिकल इण्डस्ट्री’
(रसायन उद्योग के जिक्र)
लेखक : झी. ग्रांट्स, ओक्सफियर एण्ड आर्थिस्ट एण्ड पलिसिसिंग कं.
77, लिं, जनपद, नयी दिल्ली - 110001
ह किताब रसायन उद्योग की प्रगति तथा रसायन कार्यों से जुड़े लोगों/ उद्योगों की बारे में उपलब्ध जानकारी के अनुसार द्वारा व्यापक तौर पर पूर्ण करने के लिए लिखी गई है।
स किताब में जो आई दी शी. अंकनदेवर (पंजाब) के आवश्यक लेखात्मक सामग्री के लिए प्राप्त करने के बारे में एक व्यापक विवरण प्रदान किया गया है।
‘किताब का एक सिद्धान्त’
विद्युत विकास की दिशा “वोल्ट कपर एंट्रुसिकल एण्ड रुपरिवर्तन (नयी दिल्ली)” द्वारा दिल्ली में बदन मजदूरों के हालात
7 बार में पढ़े गए ग्राम का ऊर्जा से आगे वाजने का एक प्रयास है।
अनुभवक : सैद मोहर एंट्रुसिकल एण्ड रुपरिवर्तन, एफ - 20, अंकुरा, नयी दिल्ली - 110014.
‘टेस्ट एफ कैमिकल हेल’
भारत में स्वास्थ्य की स्थिति (दी एच ए आई)
उत्तर में स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में निवड दो नये प्रस्ताव, देश
‘अपने लोगों का दर्जा प्राप्त करना है।’ यह सहयोग और अकादमी तक-शीली
‘लिखित हुए एक समिति पुस्तक है।’
इस पुस्तक में स्वास्थ्य के बारे में
स्वास्थ्य/ उपचारक उपचार को तुलना में निर्णयक उपचार पर दल देते हुए, एक व्यक्ति परिवर्तन में सहभागिता विषय दिखाया गया है। 
लेखक के व्यक्तिगत और विशेषकर स्वास्थ्य में लोगों के स्वास्थ्य पर
(आर्थिक विकास के प्रभाव, मीडिया जनसंख्या तथा लोगों की पहुंच तथा ऐसी नवीनीकरण की कार्यता तथा इस क्षेत्र में सरकार तथा
ग्रे’सरकारी संस्थाओं की भूमिका के आकलन / मूल्यांकन के क्रियान्वयन की गयी है।
— दी एच ए आई, टेस्ट जनसंख्या प्रगति।
40, इंटर, दिल्ली, नयी दिल्ली - 110016
‘विलायत से इस्लामी स्थान स्कीन’
ए. सिद्दिकता कौमोटी रिपोर्ट, नयी दिल्ली, दिसंबर, 1992
(आर्थिक जनसंख्या के प्रभाव के पीछे की है।)
(साधारण जनसंख्या के प्रभाव, नयी दिल्ली, दिसंबर, 1992)
विलाइत में आर्थिक असामान्यता के बारे में जानकारी की सामग्री ने नवंबर,
1992 में 5 टिस्क तक विलाईत आर्थिक क्षेत्र का दौर किया। इस दौर का मानदंड था सार्वजनिक क्षेत्र के विलाइत और फर्माया टिस्क से उपकार
से जुड़ा क्षेत्र में बाहरी व्यक्ति। इस क्षेत्र में लोगों के स्वास्थ्य के बारे में इसका कारण नियमित उपचार पर वजन लेते
हुए।
सहयोग राजस्थान: सं. 20
99, इंटर, दिल्ली
“आर्थिक स्वास्थ्य दूल्हन”
45, चौलिकात, गाजपुर, नयी दिल्ली - 110 062

प्रेम से हाथ , हाथ से प्रेम

प्रेम युक्त व्यापारिक स्वास्थ्य तुलिन (अंक 29-32) का ग्राहक बनाए।
म हेतु मं. रूपे / मू. अम. $ ______________ (40 सप्ताह/5 मं. अम. $)
3 पैक द्राफ्ट/चेक संख्या ______________ दिनांकित साबित में संलग्न है

भेजने का पता :

प्रेम
42, तुमन्जार दंडवाला मूर्ति, गुरुगंज, नयी दिल्ली 110062 (भारत)

क/ई तारीख
प्रेमसती पृष्ठ पार्टीमेंटरी
पृष्ठ इन एंडियॉरी
ई, दिल्ली के नाम दें
प्रिय मित्र,
इस बुलेटिन का 28वां अंक आपके हाथों में है अभी तक आप इस बुलेटिन को बिना किसी फूल्म के प्राप्त कर रहे थे। अब हमारी आप से प्रार्थना है कि अबसे आप हमारे नियमित ग्राहक बनें। हर वर्ष में चार अंक भेजे जाएँगे।
प्रिया
बुलेटिन

व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा

अंक 29

मौत का सौदा

दिनों से मानव जाति मौत की विपदा से लड़ता और संघर्ष करता रहा है। मृत्यु और इसका बाद जीवन का संपर्क और विश्वास का कारण है। अनेक युवा जीवन का यह कारण कहा जा रहा है कि वास्तव में इसका जीवन का संपर्क और विश्वास है।

वर्ष 1948 में अपने गए मानव अधिकारों की धारणा 1776 और 1789 की धारणा का काफी समय लोग कर बनाया गया था, जोकि अपने आप में एक क्रांतिकारी धारणा थी। इसमें आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा के अधिकार, वाती ही नागरिकों के परम्परागत अधिकार, राजनीतिक व धार्मिक अधिकारों को सामना किया गया।

लेखक ने अनुच्छेद 29 में हर व्यक्ति को समस्त की राजा और उसके अधिकार के लिए क्षेत्रीय व राष्ट्रीय सीमाएं को सामना किया। लेखक ने अनुच्छेद 24 में आरक्षण करने, अवधारणा ग्रहण करने और साथ ही काम के घंटों की उद्धीण और वेतन सहित राजनीतिक अवधारणे के अधिकार का प्रवाहित रखा।

यह यह दौर था कि जब नीति-निर्माणों और इन्हें कैसी तरीके करने वालों ने विश्व शास्त्रीय के स्थान पर जीवन के कारण समझ लिया था, जिससे राजनीति की शासन पर हार लगा रहा है। जब व्यक्ति नीति का भाग के लिए तैयार होने के लिए भी राजनीति बन जाते हैं या जब धार्मिक नीति के अर्थ समझने में सहायता की जाती है, तब भी यह पूरी तरह से समझी गई होती है।

लेखक ने अनुच्छेद 24 में आरक्षण करने, अवधारणा ग्रहण करने और साथ ही काम के घंटों की उद्धीण और वेतन सहित राजनीतिक अवधारणा के अधिकार का प्रवाहित रखा।

यह एक आम घटना है कि स्वास्थ्य होना और अस्थर होना जीविक आधार पर निर्भर करता है लेकिन ये जीविक प्रक्रियाएं जिन्हें नीतियां और तत्त्वां का जन्म होता है, बदले राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक स्वास्थ्य के संदर्भ में प्रभावी हो जाती है और हो भी होता है और वास्तव में व्यावसायिक
स्वस्थ्य समस्याओं के मामले में यही एक दुनियादी कारण है। सामाजिक और आर्थिक तत्व के चलते लोगों को अनानन्त अन्यर्थियों में काम करने के लिए विश्व होना पड़ता है और अंधकारस्त व्यक्तियों तथा कार्य स्थल की दुर्लभता का यह प्रभाव रहता है। कम मजदूरी और ठेकेदार के काम की नीति के कारण ही मजदूरों को कार्यस्थल में खतरनाक काम करने के लिए बाध्य होना पड़ जाता है। कोई-कोई यह कह सकता है कि इस्तीफा के लिए काम में मजदूरों के जीने के अधिकार की अवलंबना की गई है।

नागरिक अधिकारों पर संबंधित राष्ट्रीय समझौता (1966) के अनुसार 6 में जीने के अधिकार की गारंटी की गई है। इसके अनुसार राष्ट्र मुयव में किसी से ही जीने का अधिकार प्राप्त है।

समृद्धि तंत्र के बारे में इस अधिकार की धोखाधड़ी का प्रयास एक इलाज है। इस बारे में यह माना कि तुलना भर में माना जाता है कि यह समस्या ना माना जाए तो हमें सृजित नहीं किया जा सकता। मनुष्य-मनुष्य दर्शन और राष्ट्रों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी नियम राष्ट्रों में नहीं निरंतर है।

अर्थव्यवस्था में कामार्थियों के काम की परिस्थितियों का भावना भोजन से अलग है। यह तब कि भारत के अंदर ही स्वास्थ्य और आर्थिक विश्व में कामार्थियों की कार्य स्थिति को ध्यान में रखना चाहिए है। वहीं संघर्ष तथा समस्याओं के साथ आपसी संघर्ष को आदर्श आदर्श नहीं है।

उल्लेखित इस स्थिति के बारे में कोई भी इसकी फायदा नहीं देता है और तो इससे मानना चाहिए कि इस स्थिति के साथ आपसी संघर्ष को आदर्श आदर्श नहीं है। यह संघर्ष का सामाजिक अधिकार का कारण रहता है कि इस संघर्ष अधिकारों को कानूनी रूप दे और समाज के सभी लोगों और निर्मितों में इसे लाभ कराए।

हमारे समाज में महिलाएं भी यही परिस्थिति से गुरुत्व है। महिला समूहों के अधिक परिष्ध्द से ही दिनदहाड़ा दिखता है। वास्तव में यह समस्या इसलिए भी उत्पन्न हुई क्योंकि हम लोग महिला के प्रति अवैध करने के मामले में किसी व्यक्ति की गौरवी नहीं करते। इससे स्पष्ट है कि महिलाओं के गौरव, उनका अधिकार तथा उनका दर्शन जाता है।

मानव अधिकार उन जाति की नीति का है। इसकी माता तब उम्री जब मानव जाति ने यह महसूस किया कि उनके अपने अस्तित्व की वजह क्यों नहीं है। आज अधिकतर फंसा बदली हो गई। उनकी अंदर ही स्वास्थ्य और आर्थिक नीतियों की ओर स्वीकार करने के लिए उनके प्रति तकनीक अधिकारी और अनुकूलन का पहला अंदर ही स्वीकार करने के बारे में उनके समाज के लिए उनके भाषा में उल्लेख किया जाता है। यदि इस भीतरी स्थिति तथा समस्याओं का प्रभाव नहीं कराया जाता। यदि इस भीतरी स्थिति के नेतृत्व में अधिकारी नहीं है। इसके संघर्ष दूर तथा अधिकारी ही हैं जिन पर अधिकार का हाल करना है।

इसी परिस्थितियों में उन हर क्षणों, सरकारी और निर्मितों का यह दायित्व बन जाता है कि यह इस भीतरी स्थिति पर फिर से विचार करें। वैज्ञानिक मार्ग में हुए मानव अधिकारों पर पैगैंड संगठन की धारणा और इस तथ्य को दर्ज गई थी। यह समस्या अधिकारों के लिए बाध्य और समझौता प्रदान करने के लिए उपयोग में नहीं लाने का जरूरत है। नमूना एक अधिकार को पूरा करने के लिए मानव अधिकारों के नियम और समझौता लाने की जल्दी की जरूरत है। मानव अधिकार की माता तब उन काम में जो यह ज़रूरत है कि मानव काम करने के लिए व्यक्ति और स्थापत्य विकास के अनुसार उन्हें गारंटी दी जाए।
तर्क गणना और विद्यालय

वर्ष 1932 में रिष्या ने श्रीमती विद्यालय विकास संगठन, स्कूल पार्क ड्रेजर साईंस और एस० एस० बेदेस्कल कलेज, जोधपुर के शिक्षा-वृद्धि सहायता राजस्थान के जोधपुर में बलुआ पत्थर खटन मदुरौय में वायु शिक्षकीय और उनकी समाजवादी अभियांत्रिकी का अभ्यास किया। इस अभ्यास की रिपोर्ट डी को हिस्सेदारों में बोर्ड गया है। पहले भाग में नम्बर 1 और इसकी सामाजिक आर्थिक परिस्थितियों पर वर्णन है तो दूसरे में उनके बीच व्यापक शिक्षकीय, दृष्टिकोणिक, शिक्षक-दृष्टिकोणिक और आचार-रूपकोणिक अभ्यास का विवरण, जिसे "पिन्सेटरेंट और रेजेंट अटल बिहारी वाजपेयी" के नाम से जाना जाता है।

वर्ष 1935 में भारतीय भू-विद्युत विद्युत कार्यालय के प्रारंभिक विद्यार्थियों के लिए जारी किया गया था, जिसमें उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र खतन संपदा में तत्त्व समृद्ध नहीं है (मेमोरियल ऑफ जीवा एस० एस० बेदेस्कल कलेज के झूठ 1935 के बुद्धिवान और एस० एस० डोलील ने किया।)

भाग 2

भूमिका

विद्यालय आग की तरह होता है। एक और तो इसमें कुछ झुकाव होता है तो आग कुछ होती और इसे विद्यालय करता है। आग रोशनी और गर्मी दोनों मूर्ख करता है, लेकिन इसमें लोगों और उन भूत की भस्म और नष्ट करने की भी पूर्व समस्या होती है। जोधपुर के बलुआ-पत्थर खटन में आग करने ही कम कल रहा है। एक और जहाँ ही इससे आग की निम्न लिखित दिखाई है कर्म के गम और नष्ट करने की भी पूर्व समस्या होती है। जोधपुर के बलुआ-पत्थर खटन में आग का तरह ही कम कल रहा है। एक और जहाँ ही इससे आग की निम्न लिखित दिखाई है कर्म के गम और नष्ट करने की भी पूर्व समस्या होती है। जोधपुर के बलुआ-पत्थर खटन में आग का तरह ही कम कल रहा है। एक और जहाँ ही इससे आग की निम्न लिखित दिखाई है कर्म के गम और नष्ट करने की भी पूर्व समस्या होती है। जोधपुर के बलुआ-पत्थर खटन में आग का तरह ही कम कल रहा है। एक और जहाँ ही इससे आग की निम्न लिखित दिखाई है कर्म के गम और नष्ट करने की भी पूर्व समस्या होती है। जोधपुर के बलुआ-पत्थर खटन में आग का तरह ही कम कल रहा है। एक और जहाँ ही इससे आग की निम्न लिखित दिखाई है कर्म के गम और नष्ट करने की भी पूर्व समस्या होती है।
वर्ष 1990-91 में यहाँ केवल चूला पत्थर के ही 2273 तेकरे थे जो धारा की 83534.40 हेक्टेयर की जमीन थी धोन थे और जोधपुर में रैल्य पत्थर के 25 आधार नौजुब थे जो 44.00 हेक्टेयर में फैला हुआ है।

खंडन की गतिविधियों के बदने से राज्य के राजस्व में भी ज्यादा हो रहा है। यहाँ खनिजों के मिले रहे आयात में पीटसन विद्यु दुई है। वर्ष 1985-86 के दौरान राजस्व की दर 58.03 करोड़ रुपये थी जोकि 1988-89 में बढ़कर 69.47 करोड़ रुपये हो गए। वर्ष 1990-91 के दौरान जो रकम 1989-90 के 71.02 करोड़ रुपये की वसूली की तुलना में 78.57 तक पहुंच गई। राजस्थान में उत्पादन खनिज की कीमत भी बढ़ी है। वर्ष 1987 में इसकी कीमत 590 करोड़ रुपये थी जो कि 1990-91 तक 1500 करोड़ रुपये हो गई।

राज्य के युक्त राजस्व में मध्य खनिज खंडन का मुद्दा 60 प्रतिशत और चूला खंडन का मुद्दा 40 प्रतिशत है। सभी खनिजों के राजस्व के क्रम में योगदान इस प्रकार से है -- 1986-87 में 907.25 लाख रुपए, 1987-88 में 1600.38 लाख रुपए और 1988-89 में इसका मध्य खंडन 2088.01 लाख रुपए हो गया। यह बढ़त जारी रही और 1989-90 में यह 2124.57 लाख थी जोकि 1990-91 में बढ़कर 2222.18 लाख तक जा पहुंची।

लघु खनिजों में बलुआ पत्थर राज्य की राजस्व में दूसरे नंबर का खनिज है। 1986-87 में राज्य की इससे 468.23 लाख रुपए के राजस्व की कमी हुई जोकि 1987-88 में ओटर में 432.89 लाख हो गई। लेकिन इससे दर्जेदार राजस्व में पीसे से काफी इजाफा हुआ। वर्ष 1988-89 में इसका मध्य खंडन 582.01 लाख था जोकि 1989-90 में 776.38 लाख तक बढ़ा, जबकि 1990-91 में तो यह 839.65 लाख तक पहुंचा। इसके उदारांश में धीरे-धीरे बढ़ती है।

परम्परा 1989-90 में इसके उदारांश में 19.38% (749.45 से गिराया 3855.6 हजार रुपए) तक गिराया आई। राज्य को राजस्व से 78711.11 लाख रुपए की कमी हुई है जिससे बलुआ पत्थर का योगदान 1188.88 लाख रुपए है।

खंडन और राजस्व

पिकले चल्लिस क्षेत्रों में राजस्तान के खंडन के क्रम में बीतरम प्रमुख है। 1950-51 में इन 47 क्षेत्रों को पूर्ण खंडन 50 बड़ी खंडन का ठेला प्राप्त हुआ। झांकों के पूर्णांक खंडन की संख्या 190, बड़े खुदाई के ठेकों की 1991, छोटे ठेकों की 9,181, और खुदाई के संख्या 17,408 तक बढ़ गई। इन खंडन आयामों में अनुसूचित जालत के 590 और अनुसूचित जालत को 337 ठेक मुख्य का एक है। इन खंडन आयामों में अनुसूचित जालत के 590 और अनुसूचित जालत को 337 ठेक मुख्य का एक है।
विचार बिठुँ

राजस्थान में बलुआ पत्थर का 1986 में उपदान 3737.5 था जोकि 1987 में बढ़कर 3985 हो गया। 1988 में इसका उपदान घटक 2980.4 हो गया लेकिन 1989 में यह फिर बढ़कर 2980.4 तक ए पहुँचा और वर्ष 1990 में तो इसका माध्य 4794.3 तक पहुँचा गया (ये रूप में ओमा सागर ताल वह था) वर्ष 1986 में इसके बिंकी की कुल तीव्रता 674.590 थी, 1987 में यह 654643, 1988 में 713769.39, 1989 में 1233269.7 और 1990 में 1043485.3 के क्रम में बढ़ी (ये रूप में ओमा सागर हजार रूप में है)।

इस दौरान में बलुआ पत्थर में प्रतिदिन रोजगार का भी अभाव बढ़ा है। वर्ष 1986 में यह 75199, 1987 में 83566, 1988 में 56686, 1989 में 76627 और 1990 में 90879 के ब्रान में बढ़ा।

जोपुर में अनेक मदद रोजगार और पटलक-कड़ा का उपभोग 1986 के 799.2 हजार टन से बढ़कर 1990 में 1136.5 हजार टन तक बढ़ गया। इसकी कुल बिंकी में भी बढ़ हुई 539334.9 हजार से 1990 में 2966232.2 तक जा पहुँची। इसमें रोजगार का भी मजाबद 1986 में इसके 12120 कामगार लगे थे जो 1990 में बढ़कर 23138 तक हो गए। इसी तरह इसी राजस्थान में भी इजाफा हुआ। 1986 में 86883.9 हजार रूपए का राजस्व मिलता था जो 1990-91 में बढ़कर 14413.98 हजार रूपए हो गया।

खदान विभाग ने जोपुर ग्राम से 780 लाख के राजस्थान का लाभ रखा हुआ था जबजब उन्होंने यहाँ से 801.60 लाख रूपए भरा किया। जोपुर ग्राम में ही 41(एक हजार) नकाशा है जिसे उसके 16119217.15 रूपए राजस्व के तौर पर संग्रह भी होते हैं।

भाग - 11

भाग - 11 में हमने देखा कि किस तरह से खदान का काम भूमि तथा सीमा है, खासकर जन्म 1940 के बाद से। इससे न केवल राजस्थान के राजस्थान में इजाफा हुआ है, बल्कि जोपुर राज्य के सामाजिक-आर्थिक व राजनीतिक बीमारी के निर्माण में भी इसकी खासी भुमिका रही है। इसे के विशिष्ट समूह और वर्तमान की बलुआ पत्थर व्यापार में प्रचलन और पश्चिम जुड़ा हुआ है, जबकि निर्माण-उद्यापन तथा इस उद्योग में सामाजिक-आर्थिक व राजनीतिक जुड़ाव देश-राजस्थान का लिखा होता रहा है। आज बलुआ-पत्थर का घाटा केवल राजस्थान तक ही सीमित नहीं है बल्कि पूरे उद्योग-भारत में यह फल-फूल रहा है। राजा का अधिकारी हिस्सा हमारे बाले इस समूह से कई प्रभावशाली नेता भी उपर रहे हैं।

अब तक हम इस चौंद पृथक ध्यान का अबस्फर नहीं है बल्कि पूरे उद्योग-भारत में यह फल-फूल रहा है। राजा का अधिकारी हिस्सा हमारे बाले इस समूह से कई प्रभावशाली नेता भी उपर रहे हैं।

अभ्यास का क्षेत्र

इस अभ्यास का भूमि उद्देश्य इस समूह के आर्थिक के समक्ष बना था। विभिन्न क्षेत्रों के विश्लेषणों ने बलुआ पत्थर मुद्रण अर्थव्यवस्था पर अपने गत लार्ड और इस समूह के विभिन्न पृथ्वी पर आधारित आंकड़े लेने के लिए एक समय प्रभावशाली वैधता की तारीख बलुआ पत्थर खदान के कारणों और उनकी समस्याओं का समुच्चय समाधान खोजा जा सके। इसके लिए कामगारों को उनके अविनाशी के प्रति उनके जासूस करने, नेतृत्व उभारने, उनके राज्य के लिए डिप्लोमा विधान के नियम-कानूनों और प्रवर्धन की अंतराळ देने का एक ध्यान किया गया। इसका उद्देश्य मजदूरों की कुलीनता परिस्थितियों को ही उपर रखते नहीं था। बल्कि इसे केवल भारे के संग्रहक उपयोग को भी तलाशना था।

पद्धति

यह एक बहु-आयामी अभ्यास है जिसे खदान मजदूरों की समस्या तथ्यवादी उभारने के लिए विभिन्न उद्योग, विभिन्न पृथ्वी के, अंतराळ व सामाजिक में काम करने वाले खदान मजदूरों की समस्याओं के एक खास संदर्भ में सामाजिक किया गया है।
सर्वेक्षण दल

छ. युगा कार्यकर्ताओं ने अपने काम के दौरान पूरी समय बनाने के उपरांत खबरों में सर्वेक्षण किया और खबर मजबूती से बाहरी की। सभी प्रतिक्रियाओं को पूरी तरह से रिकार्ड किया गया। सभी आकड़ों की सारणी बनाई गई और करीब 264 खबर कार्यालयों की जोड़ के परिणाम लिए गए।

सहभागी

इस अध्ययन में इन्हीं 264 कार्यालयों का सर्वेक्षण किया गया। उन्हें सार्वजनिक भाषाओं में सुनिश्चित करने के लिए उन्हें इस खबर का पुरा आकार दिया गया कि इस अध्ययन से उनकी अतिरिक्तता और रोजगार की कमी पर कोई और नहीं आने दी जाएगी।

पिछले अध्ययनों व गतिविधियों की समीक्षा

इन असंतोषित कार्यालयों की सार्वजनिक और उनके मुद्दों की पहचान करने के उपरांत, उनके मजबूत साहित्य की समस्या से सुनिश्चित की गई। उन लोगों से भी बच्चे की बात कि इन कार्यालयों की जीवन दशा तथा बुलाव पत्थर के अंदेशे से अच्छी तरह वांछित थे। यह कठिन उठाना का दुर्दशा था कि तब उनके प्रश्नों से खबरों से मजबूती की जीवन दशा मुश्किल बन गई। यदि हो, तो क्यों? यदि नहीं, तो क्यों नहीं?

प्रस्तावली

इस प्रस्तावली में मजबूती बॉय, उम्र-समूह, आयामिक स्तर, जात-वंश, बलातंत्र, खबर में कम की मजबूती, खबर में कम की समाजशीतों, और इस में दी पीढ़ियों के जुड़वाए मूल्यों को संबंधित किया गया। कार्यालय को कुशल अदाकृति व अकुशल की श्रेणी में दर्ज किया गया। दुर्लभता तथा स्वायत्तस्व चरित्र मुद्दों के आधार पर इन्हें मालिक-मजबूत रिश्तों से जुड़े स्तर भी रखे गये। आयामिक और सीमाएं के कुछ उन्हें किस तरह की सुविधा तथा ऊर्जारी लाभ महसूस कर जाते हैं।

खोज और विश्लेषण

खबर मजबूती का चित्रण

उप के हिसाब से मजबूती का बटन: न

जिन कार्यालयों के साथ साझेदारी किया गया उन्हें चाहे अजीब-अजीब श्रेणी में रखा गया। यह बटन गर्व मजबूती की गौरवी, उनकी उम्र और उनके काम की समधिक्क को जानने के लिए किया गया। अधिकांश कार्यालय बनाए 229(83%) मजबूत 16-40 की उम्र के बीच के लिए उत्पादित करते थे, जोकि उनके जीवन का सबसे उपयोगी समय होता है। इनमें 40-50 उम्र समूह के कार्यालय 29(11%) थे। इसका अर्थ यह हुआ कि 40 उम्र की उम्र के बाद इन कार्यालयों के काम की शक्ति का घट जाती है, इसलिए 50 और उसके बाद की उम्र वालों तो इसमें 6(2%) थे ही। इसमें 10(4%) ऐसे बल मजबूत पाए गए जो 15 वर्ष की उम्र से कम थे। इस पेशे में आम तौर पर यह पाया गया कि इसमें हैदराबाद के पास थे जहां उन्होंने कुछ खबरों के पास घोषणा की कि पत्ता लगाने पर जीवन बचाने की कोशिश किये गये। इन व्यक्तियों ने कभी भी जीवन बचाने या बचाने में कोई भ्रम नहीं रहा। इन इतिहास में जिसके पर मजबूत नेशन जाना जा रहा है, पत्ता लगाने, खबर मजबूत किया जाता है। इस अर्थ में जिसके पर मजबूत नेशन जाना जा रहा है, पत्ता लगाने, खबर मजबूत किया जाता है।

श्रेणी का संपर्क

ये कार्यालय जो बड़ी फटकार से बड़े-बड़े पत्थर तोड़ सकते हैं या दे जो चुनौतीले फिल्म चाला रखते हैं उन्हें कुशल कार्यालय माना जाता है। लेकिन ये भी धारा सकते हैं चर्चा-चर्चा होती है। उनमें अकुशल कार्यालय माना जाता है। वे इन मूलीय में सिद्ध होते हैं, यदि हम अकुशल कार्यालय का काम करते हैं, उन्हें कुशल कार्यालय माना जाता है। 264 कार्यालयों के इस समूह में 168(63%) कुशल, 56(21%) अद्वैत कुशल और 40(16%) अकुशल कार्यालय थे। उन्हें इस दूसरी पहल चोट का कोई श्रेणी नहीं दिखा जाता लेकिन ये कार्यालय अपने अभ्यास के दौरान ही इस पर चढ़ा-उतरा रहे हैं।

सर्वेक्षण और अध्ययन के दौरान यह पाया गया कि यहूदी के 264 खबरों में 1322 कार्यालय काम करते हैं। आज़ादा और से हर खबर में करीब 5 कार्यालय काम करते हैं।

स्वायत्सिक स्वास्थ्य बुलेटिन
धवनलिखि

यहाँ के अधिकांश कामगार गणतंत्र इस्लामी हैं। इसमें अधिकांश कामगार या भूमिति हैं या थोड़ी-बहुत गणतंत्र के मालिक। इस पूरे सर्वकालिक 107 (40.5%) थे, 91 (34.4%) ऐंशिक थे जिनके पास दस एकड़ से कम गणतंत्र थी।

वारिक आमदनी

बारिश के दिनों में खदान की काम छोड़ जाता है। अतः यहाँ के कामगारों के पास साल में 8 महीने का ही काम होता है। खदानों में काम कर रहे इन कामगारों की सालाना आय 3650 रुपए है, यानी काम के मित्रों 475.25 रुपए प्रतिमाह। इस खदान के बारे में जिनके अन्य गटहितियों से कामगार के परिवार की आमदनी 3300 रुपए सलाह के हिसाब से हो जाती है। इस काम से उन्हें महीने के हिसाब से आंतर्गत 825 रुपए की आमदनी हो जाती है, जोकि खदान का कमाई से काफी व्यावस्था है।

इस अध्ययन समूह के 162 (47.7%) कामगारों की आमदनी 10,000 से कम पाई गई और 101 (38.25%) कामगारों की 10,000 से 20,000 के बीच पाई गई।

घर की स्थिति

सर्वकालिक से पता चला कि इन 264 कामगारों में 171 (64%) झोपड़ी-पटियों में रहते हैं और केवल 75 (28%) ऐंशिक हैं जिनके पास बलुआ-पटिया के पास के मकान है।

खदान में काम करने की मजबूतियाँ

264 कामगारों के साथ हुए साक्षात्कार में 258 (98%) का कहना था कि ऐसे कोई वैसीक रोजगार या ऐसा कोई घर नहीं है कि वे खदान का काम छोड़ सकें। उन्हें तो बस यही काम करना होगा।

कर्ज की समस्या

पूर्वक ये समाज के सबसे निचले तक्के के लोग हैं और उनकी मजबूती भी इतनी कम है कि उन्हें कर्ज लेने के लिए बाध्य होना पड़ता है। सर्वकालिक के दौरान इस दल ने यह महसूस किया कि खदान मालिक गैर-उद्योग काम के कारण भी ही हैं ऐंशिक हैं। इस पूरे अध्ययन समूह में यह पाया गया कि 179 (45%) कामगारों ने घरेलू काम के लिए अपने मालिकों से कर्ज लिया, 45 (26%) कामगारों ने जीवन-शक्त के लिए ऐंशिक हैं किया, 3 (10%) कामगारों ने गैर होने की स्थिति में धार्मिक अनुदान के लिए पैसा उठाया लिया।

इस अध्ययन से पता चला कि इन 264 कामगारों में 172 (65%) ने अपने मालिकों से कर्ज लिया। कर्ज का यह मानद एका, 200,000 - 23,000 रुपए तक का था। इनमें अधिकांश कामगार यानी 56 (32.5%) कामगार ऐंशिक हैं जिन्हें 6,000/-10,000/-20,000 रुपए तक का कर्ज दिया गया था और 37 (21%) कामगारों पर 10,000 से 20,000 रुपए तक का कर्ज दिया था। इनमें 16 (9.3%) ऐंशिक से मालिक कामगार गए जिन्हें 20,000 से भी ऊपर का कर्ज था। खदानों में उनके रोजगार की स्थिति में कर्ज के प्रावधान के संबंध में 135 (51.5%) कामगारों का कहना था कि वे कर्ज के कारण यही का काम नहीं छोड़ सकते। 40 (15.15%) कामगारों ने बताया कि इन सभी कर्ज का जमा से उनकी मजबूती घटा है और 24 (4.62%) कामगार तो इसने बताया है कि उन्होंने इस पुद्दे पर कोई भी चर्चा करने से इनकार कर दिया।

शराब की लत

इस सर्वेक्षण के दौरान यह पाया गया कि इनमें 237 (90%) कामगारों को शराब की लत लगी है। खदान इनके अस्तित्व के दौरान ही दीर्घकालिक है। शराब पीने वाले कामगारों का कहना था कि वे शराब पीने की धक्कादायक वार उन्हें दूर करने के लिए पीते हैं।

कर्ज स्थिति और कामगार का प्रियालचन्दन काम के घटे

यहाँ के काम के घटे के संबंध में कोई निर्देश नहीं है। 197 (75%) कामगारों ने बताया कि उन्हें आठ घटे काम करना पड़ता है, लेकिन 57 (21%) ने बताया कि वे 10 घटे तक काम करते हैं और 10 (45%) ने बताया कि वे 10 घटे से भी ज्यादा समय तक काम करते हैं।

भाषासाधित स्वास्थ्य बुलेटिन
मजूदी भुगतान के तौर-तरीक़े

यहॉं के 264 कामगारों में 183(69%) दिखाई के मजूदूर हैं और 81(31%) देके पर काम करते हैं।

भुगतान का लेखा-जोखा

यहॉं कामगारों की उपस्थिति को तौर-तरीक़े से दर्ज नहीं किया जाता है। 26(10%) कामगारों ने बताया कि उनके नाम रजिस्टर में दर्ज किए जाते हैं। 53(20%) कामगारों के अनुसार यहॉं नाम कच्चे दिखते पर लिखे जाते हैं, बाकी योग्य 132(50%) कामगारों का कहना था कि यहॉं कोई भी रिकार्ड नहीं रखा जाता है।

एक छटटी

लगभग सभी कामगारों का कहना था कि यहॉं हस्त की छटटी देने की कोई व्यवस्था नहीं है।

सुविधाओं का अभाव

264 कामगारों में से 66(25%) का कहना था कि खान की लालिकों की ताकत से उन्हें खाना जल्द भुगतान नहीं करकर जाता है। लगभग सभी कामगारों ने बताया कि उन्हें आमतौर पर छोड़ जैसी सुविधाओं तक नहीं मिलती जिसमें किसी कामगार से लिटल-कोंसासिया या लिटल-ट्रबुलक्सिस को दर्ज किया गया हो या राशि भर दिया गया।

आर्कासिक अवकाश

168(66%) कामगारों ने कहा कि खाना दिखूँकों द्वारा उनकी मजूदूरी तथा काम दी जाती है और 89(33.7%) कामगारों में यह देखा गया कि मजूदूरी की मजूदूरी लालिक और मजूदूर के आपसी मोल-माल से लगती है।

न्यूतम मजूदूरी संबंधी अज्ञाता

इस पूरे अवस्थान समूह ने सरकार द्वारा तथा दर्ज की गई न्यूतम मजूदूरी के संबंध अपनी अज्ञाता का इजहार किया।

ईटॉ प्लॉट आईजेयॉ, भविष्य निथि, क्रूर्याती, बीमा,
"सिलिकाविसिस - एक महा एक्सा"

खदान कानूनों की विकसित आवेदन और उन पर दृष्टि से हम सामाजिक-आर्थिक स्तरों से जोड़ी है। यहां के ताकतवर कानून सिलिकाविसिस, सिलिका-ट्यूबक्लोनिस और ट्यूबक्लोनिस की तादात्मक गुणवत्ता है। यह अभ्यासित कानून विशेषता है। 

व्यवस्था और दुर्बलताएँ

इस सरकार में 189(71.6%) कानूनों ने सांगी की ताकतवर जाति। इनमें कुछ का टी० वंश का लाफ था तो, तो गुर्ज़ारी, बलात की बौद्धिक से हतास थे। 34(12.87%) कानूनों का कहना था कि उन्हें सामाजिक संबंधों को ध्यान दिया, जबकि बाकी के 31(11.74%) ने किसी जाति नहीं दिया। यह कानून के माध्यम से दुर्बलता होने एक आम बात है क्योंकि अधिकारों काम चल रहे हैं तो वहा रंग के हैं जिसे कहा कर बार बार गोट्ठा भी लग जाती है। 

बलात के बाद कई कानूनों को नियंत्रण चाहता है लेकिन नहीं। 176(66.6%) कानूनों ने महसूस किया कि यहां डिप्लोमा या सामाजिक संबंधों देखने की व्यवस्था सहमति की जाती है। 

भाग-III

सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण के दौरान यह पाया गया कि यहां टी० वंश और अन्य बीमारियों को जाति की रूप में है। अन्द 82 कानूनों को विकसित आपूर्ति के लिए उनके व्यापारिक विकसित के आररर पर दृष्टि रखी है। ताकि यह जाना जा सके कि क्या वे टी० वंश से मिलता है या सिलिकाविसिस से फार दोनों (सिलिको-ट्यूबक्लोनिस) से।
खवाटरी रिपोर्ट

0.5 से 5 व्याप से माइक्रोन के लिसिका कण ही इस बीमारी को फैलते हैं। 5 से 10 या उससे अधिक आकार वाले कण व्याप नहीं में ही च से जाते हैं। लेकिन छोटे-छोटे कण फेफड़े की अप्रोप्रियता में जा जाते हैं और तंत्रिका को नष्ट करते हैं। लिसिका के कण यूटी में काम करते हैं। उर्वरीजेन और उर्वरी-वोडी की क्रियाएं क्रियाग्रस्त रहती हैं। इसी कारण से उस व्यक्ति में भी लिसिका फैल जाता है जो बड़ा फैल खादन में काम करना ढोंढ़ भी दे।

भारत में 1000 में 13-25 लोगों में टी॰ वी॰ विकास रहती है। इसका सिलिकॉसिस से फेफड़े की क्रियाग्रस्त घटती है जो लोग लिसिका धूल से प्रभावित होते हैं उन्हें संकुचित बीमारी, जिसे लिसिका-ट्यूबूक्लसिस कहते हैं, हो जाती है।

इस गौजुद्ध सबूत और अध्ययन करने का नया खादन पर्यावरण तथा मसली संबंधी गड़बड़ियों के विभिन्न फलस्वरूपों पर बनाना था। यह गौजुद्ध रिपोर्ट उन लोगों के 82 एकर के लिसिका परिक्षण पर आधारित है जो लिसिका बड़ा फैल खादन से प्रभावित है।

उद्देश्य और लक्ष्य

इस अध्ययन का लक्ष्य जीवन परिसर के खादनों के आससभा मिल का धूल से प्रभावित खादन कमानों में सिलिकॉसिस ट्यूबूक्लसिस और लिसिका-ट्यूबूक्लसिस की फैलाव का अंतर्गत करना था।

पद्धति

अध्ययन समूह में से 82 कमानों को इस अध्ययन के लिए नए गया। इन सभी से जुड़े से ऐसे समय एकांत ने व्यापारी से सबसे पूरी गए जैसे: खादन में काम करने वाले कमान का तरीका, आधिक स्तर, और इस अध्ययन के जुड़े अन्य पहलुओं पर सास राख दिए गए।

इन सभी लोगों की छात्री का एक-एक लिखा गया। इन एकस-एक को दो अलग-अलग लोगों से जोँच पार्क और जब कभी इन दोनों के हृदय में घेत पाया जाता है।

तालिका 6-4 सिलिकॉसिस की बागूरी और काम की अवधि के साथ इसके संबंध को दर्शाता गया है। काम की अवधि पर विचार करने पर यह लाभ हो गया कि इसे लोगों की नियत 61(74%) उपयोग जो इस काम में जुड़े हुए हैं। उनके बाद से इन लोगों की संख्या में भी लोग बढ़ गए थे। विस्तार जो 21 साल के उम्र के जो लोग यहाँ काम कर हैं उनकी संख्या काफी कम है और इस समय प्रभाव में कम करने वाले कमानों में सिलिका-ट्यूबूक्लसिस 87.5 प्रभावित है।
साफ़ है कि 65(79%) लोग 21-40 साल की आयु की उम्र के हैं। अतः इसका भी अनुमान लगाया जा सकता है कि यदि कोई आपनी 20 साल की उम्र में यह नौकरी प्राप्त करेगा है और 20 साल तक नौकरी करेगा है (जैसा कि अधिकांश लोगों के मामले में भी यहीं देखा गया है) तो उसे निर्धारित ही 41 साल में यह नौकरी छोड़नी पड़ेगी। ऐसे भी कुछ लोग हैं जिन्होंने 20 साल से भी ज्यादा समय तक काम किया। इसके इस बात का संकेत मिलता है कि कामगार 20 साल की अपनी नौकरी कर लेने के उपरांत इसे छोड़ देते हैं। 82 लोगों पर हुए निरीक्षण में 18(22%) में सिलिका-ट्युबक्लोजिसिस और टी० बी० के लक्षण पाए गए। यह उन आम लोगों की टी० बी० से कहीं अधिक है जोकि 100 में 18 लोगों में दिखाई देती है। (रेसल सैन्य सर्वाधिक अन्ह रिकल्स ऑफ़ ट्युबक्लोजिसिस इन इंडिया, 1957-59) अतः यह साफ़ है कि इस प्रकार से खाद्य में टी० बी० का उत्तराधिकार आम लोगों से 100 पुरी ज्यादा रहता है।

### तालिका: अ - 1
उम्र के हिसाब से कामगारों का वर्गीकरण

<table>
<thead>
<tr>
<th>उम्र</th>
<th>कामगारों की संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>0-15</td>
<td>10</td>
<td>4</td>
</tr>
<tr>
<td>16-25</td>
<td>64</td>
<td>32</td>
</tr>
<tr>
<td>26-40</td>
<td>135</td>
<td>51</td>
</tr>
<tr>
<td>41-50</td>
<td>29</td>
<td>11</td>
</tr>
<tr>
<td>50 और अधिक</td>
<td>6</td>
<td>2</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>284</td>
<td>100</td>
</tr>
</tbody>
</table>

### तालिका: अ - 2
कामगारों के प्रकार

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रीटिका</th>
<th>कामगारों की संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>कुश्तिया</td>
<td>168</td>
<td>63</td>
</tr>
<tr>
<td>अर्ध-कुश्तिया</td>
<td>55</td>
<td>21</td>
</tr>
<tr>
<td>गैर-कुश्तिया</td>
<td>40</td>
<td>16</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>284</td>
<td>100</td>
</tr>
</tbody>
</table>

### तालिका: अ - 3
खाद्यान्न से कामगारों के गाँवों की दूरी

<table>
<thead>
<tr>
<th>दूरी (किलोमीटर)</th>
<th>कामगारों की संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>20 से कम</td>
<td>80</td>
<td>30.3</td>
</tr>
<tr>
<td>20-30</td>
<td>30</td>
<td>11.3</td>
</tr>
<tr>
<td>50-100</td>
<td>44</td>
<td>16.6</td>
</tr>
<tr>
<td>100 से अधिक</td>
<td>64</td>
<td>24.2</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>264</td>
<td>100</td>
</tr>
</tbody>
</table>

व्यवसायिक स्वास्थ्य बुलेटिन 11
### तालिका : अ - 4
कर्जदार होने के कारण

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रमसूची</th>
<th>कारण</th>
<th>कामगारों की संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>धरेलू</td>
<td>79</td>
<td>45.14</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>शादी-स्वाभ</td>
<td>45</td>
<td>25.72</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>रीति-रिकाज</td>
<td>33</td>
<td>18.85</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>विवाह-इलाज</td>
<td>8</td>
<td>4.57</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>अन्य</td>
<td>10</td>
<td>5.72</td>
</tr>
<tr>
<td><strong>कुल</strong></td>
<td></td>
<td><strong>175</strong></td>
<td><strong>100</strong></td>
</tr>
</tbody>
</table>

### तालिका : अ - 5
कर्ज या मदद

<table>
<thead>
<tr>
<th>सारि (रु.ए में)</th>
<th>कामगारों की संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1000 रु. से कम</td>
<td>2</td>
<td>1.1</td>
</tr>
<tr>
<td>1000-3000 रु.</td>
<td>28</td>
<td>16.3</td>
</tr>
<tr>
<td>4000-5000 रु.</td>
<td>33</td>
<td>19.0</td>
</tr>
<tr>
<td>6000-10,000 रु.</td>
<td>56</td>
<td>32.5</td>
</tr>
<tr>
<td>11000-15000 रु.</td>
<td>23</td>
<td>13.3</td>
</tr>
<tr>
<td>16000-20000 रु.</td>
<td>14</td>
<td>8.0</td>
</tr>
<tr>
<td>20000 रु. से अधिक</td>
<td>16</td>
<td>9.8</td>
</tr>
<tr>
<td><strong>कुल</strong></td>
<td><strong>172</strong></td>
<td><strong>100</strong></td>
</tr>
</tbody>
</table>

### तालिका : अ - 6
काम के घटें

<table>
<thead>
<tr>
<th>काम के घटें</th>
<th>कामगारों की संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>8 पढ़े तक</td>
<td>197</td>
<td>75</td>
</tr>
<tr>
<td>8 - 10 पढ़े</td>
<td>57</td>
<td>21</td>
</tr>
<tr>
<td>10 से अधिक</td>
<td>10</td>
<td>4</td>
</tr>
<tr>
<td><strong>कुल</strong></td>
<td><strong>264</strong></td>
<td><strong>100</strong></td>
</tr>
</tbody>
</table>

### तालिका : अ - 7
दुर्भटता के समय जायते इलाज

<table>
<thead>
<tr>
<th>भ्रेत्र</th>
<th>कामगारों की संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>खर्च किसे के द्वारा</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>खादन मालिक के द्वारा</td>
<td>24</td>
<td>9.3</td>
</tr>
<tr>
<td>कामगार द्वारा</td>
<td>237</td>
<td>89.7</td>
</tr>
<tr>
<td>दोनों</td>
<td>3</td>
<td>1</td>
</tr>
<tr>
<td><strong>कुल</strong></td>
<td><strong>264</strong></td>
<td><strong>100</strong></td>
</tr>
</tbody>
</table>
नीचे दुन्हे हुए 82 कामगारों के विकिरण (पेडिको लोजिकल) संबंधी परीक्षण की तालिकाएं दी गई है

### तालिका B - 1

इस तालिका में 82 कामगारों का उम्र के हिसाब से बांटा गया है:

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रांति</th>
<th>उम्र</th>
<th>कामगारों की संख्या (%)</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>0-10</td>
<td>0</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>11-20</td>
<td>3</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>21-30</td>
<td>29</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>31-40</td>
<td>33</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>41-50</td>
<td>15</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>51-60</td>
<td>2</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td></td>
<td>82(100)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

### तालिका B - 2

इस तालिका में काम विशेष के निर्णय के संबंध में सिलिकाटलिस, द्युक्कलासिस और सिलिकाट्स्लिस की भीजगरी दराई गई है:

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रांति</th>
<th>काम विशेष</th>
<th>कामगारों की संख्या (%)</th>
<th>सिलिकाटलिस (%)</th>
<th>द्युक्कलासिस (%)</th>
<th>सिलिकाट्स्लिस (%)</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>2. पत्ता लेना</td>
<td>64 (79.04%)</td>
<td>2 (3.1%)</td>
<td>6 (9.3%)</td>
<td>3 (4.6%)</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>82</td>
<td>3 (3.6%)</td>
<td>10 (12.1%)</td>
<td>5 (6.0%)</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

### तालिका B - 3

इस तालिका में काम की अवधि के संबंध में सिलिकाटलिस की भीजगरी को दराई गया है:

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रांति</th>
<th>काम की अवधि</th>
<th>कामगारों की संख्या (%)</th>
<th>सिलिकाटलिस और द्युक्कलासिस</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>0-5</td>
<td>12</td>
<td>1 (8.3%)</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>6-10</td>
<td>15</td>
<td>3 (20.0%)</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>11-15</td>
<td>34</td>
<td>3 (8.8%)</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>16-20</td>
<td>19</td>
<td>1 (5.2%)</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>21-25</td>
<td>2</td>
<td>0</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>26-30</td>
<td>0</td>
<td>0</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>82</td>
<td>8 (9.7%)</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

### तालिका B - 4

इस तालिका में काम की अवधि के संबंध में सिलिकाटलिस की विकिरण प्रक (स्तर) और सिलिकाट्स्लिस को दराई गया है:

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रांति</th>
<th>काम की अवधि</th>
<th>कामगारों की संख्या (%)</th>
<th>सिलिकाटलिस का स्तर</th>
<th>1/1</th>
<th>1/2</th>
<th>2/3</th>
<th>3/4</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>0-5</td>
<td>12</td>
<td>0</td>
<td>0</td>
<td>0</td>
<td>1 (8.3%)</td>
<td>0</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>6-10</td>
<td>20</td>
<td>0</td>
<td>0</td>
<td>2 (6.6%)</td>
<td>1 (2.9%)</td>
<td>0</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>11-15</td>
<td>34</td>
<td>0</td>
<td>0</td>
<td>2 (5.8%)</td>
<td>1 (5.9%)</td>
<td>0</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>16-20</td>
<td>19</td>
<td>0</td>
<td>0</td>
<td>0</td>
<td>0</td>
<td>0</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>21-25</td>
<td>2</td>
<td>0</td>
<td>0</td>
<td>0</td>
<td>0</td>
<td>0</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>26-30</td>
<td>0</td>
<td>0</td>
<td>0</td>
<td>0</td>
<td>0</td>
<td>0</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>82</td>
<td>2 (2.4%)</td>
<td>2 (2.4%)</td>
<td>3 (3.6%)</td>
<td>1 (1.2%)</td>
<td>0</td>
<td>0</td>
</tr>
</tbody>
</table>

**व्यापारिक स्पास्टिक बुलेटिन**

13
व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर तेजस्वी विश्व समेलन

4-8 अगस्त, 1993 के दौरान व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर तेजस्वी विश्व समेलन भारत के लिए कई मामलों में महत्वपूर्ण रहा। इसी दौरान इसके अंतर्गत अधिक आश्चर्यजनक कर देने वाला टॉपिक जो प्रकाश में आया उस था —सार्वजनिक क्षेत्र की कोरोना खातरी में हो रही दुरुस्ताएँ की दर में करीब 25 प्रतिशत की की द्वितीय चरण.

यह समेलन व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के क्षेत्र में अपनी सक्रियता-अभावलाप दर्ज की आयस में मिल रहा था एक सुनहरी शैक्षणिक क्रांति। ऐसे महामारी विषय समेलन के आयोजन के लिए इसके तीनों प्रमुख —सार्वजनिक सुरक्षा परिषद (भारत) अंतरराष्ट्रीय श्रेणी संस्थान (अंतर्राष्ट्रीय) और अंतरराष्ट्रीय संस्थान सुरक्षा एसोसिएशन (अंतर्राष्ट्रीय) —विभाग के पात्र है।

अंतरराष्ट्रीय श्रेणी संस्थान के प्रतिनिधियों ने अपने संस्थान का सांस्कृतिक स्वरूप दिखाया कि प्रत्येक आदमी और सरकार को एक स्वास्थ्य एवं सुरक्षित समाज में काम करने का हक है। संस्थान के उप-मान्यताधारी श्री हर्षेंद्र मेहरा ने अपने स्वास्थ्य भाषण में कई सार्वजनिक मुद्दों का उल्लेख किया —सर्वोपरि क्षेत्रों में कार्यकर्ता कामार्ग की सुरक्षा हेतु एक बुद्धिमत्ता धौंधारी खाता, और सहयोगी कार्यालय में सार्वजनिक स्वरुप का अभाव के लिए सार्वजनिक स्वरूप के एक चाकुशल धारी बनाना, जिसमें कामार्ग, नियोजन और कामार्ग के बनियांलाप पूरी तरह से स्पष्ट की जाए। यह भी महत्वपूर्ण था कि इस विषय में, नियोजनों और कार्यालयों —इस तात्विकता की सत्यापन से ही एक सार्वजनिक कार्यकर्ता योजना/कार्यक्रम का अभाव है, जिसके कारण काम में सजीवता व्यक्तियों के प्रति एक आत्म-अधूरी और बिश्वसनीय दृष्टिकोण अनुभव आता जा रहा।

युवराजी सुप्रुवा के प्रतिनिधियों ने सन् 1992 की संस्थानों के उद्देश्य दिये, जोकि यूरोप में स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रदान करने वाले वर्ग का रूप में मान्यता आया था। इस साल के दौरान, अपने अन्य कई कार्यक्रमों के अलावा, युरोपीय संयुक्त के सही टैक्लीफ टेंडरों ने व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की प्रति समर्पित जागरूकता नजर देखते हुए कई कार्यक्रम दिया। इसी के साथ युरो पीडी को भी व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के महत्व के दर्शन में शिक्षा देने पर भी उबाली ध्यान दिया गया।

इसी संस्थान के आयुक्त के भी एक "जिला जुलूस सुरक्षा" नामक अभियान शुरू किया। इस अभियान के जरिए, पहली बार आस्ट्रेलिया सरकार, स्वास्थ्य संस्थाओं, मजदूर संघों एवं प्रेस के प्रतिनिधियों का समक्ष बैठा हुआ। इस कार्यक्रम में कई स्थायी कार्यों से संस्थानीय रूप से तिनों जनसंबंधी रूप से हुई नीतियों से 22 प्रतिशत की गिरावट पाई गई।

इस समस्त सार था, जो यह सावधान पैदा होता है कि यह इतने नई पदों या अन्य अन्य समस्त जो पूरी तरह से आयोजित किया जाता है कि उनके सीधे मामलों में कोई कारण होना भी है या नहीं? भारत सरकार ने किसी संगठन के योजना की योजना या कार्यक्रम की योजना नहीं की। कारण से, इस तौर पर उपयोगा ने केवल मौलिक साल की कार्यकर्ता योजना की धारणा हास कर सकता था, बल्कि 1993 को भारत के कार्यालयों के लिए एक स्वास्थ्य एवं सुरक्षित कार्यक्रम प्रदान करने के रूप में भी ध्यान दिया जा सकता था। —विषयक भारत के कार्यालयों की रक्षा संगठन युरोपीय समुदाय के कार्यालय की कुल आदर्शों से कहीं ज्यादा है।
व्यक्तिगत के लिए अध्ययन:
आयुर्विज्ञान प्रभाव नकल की के प्रभाव के
लक्षण यामांककर द्वारा १९७० बी.बी. विशे फुलारे १९७० बी.बी.

tीन मेडिकल कालेजों में यह अध्ययन के "अन्तर्मीटा"
और "स्टोरोफाौलो" विंगों में कार्यान्वयन पर
फार्मासिकल के प्रभाव का अध्ययन है। किया गया था।
यह तीन मेडिकल कालेज थे - गवर्नमेंट मेडिकल
कालेज, नागपुर, इरोदा और नागपुर में कार्यान्वयन और
नाौधा गोर्जी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल इंस्टीट्यूट,
सेवाधार (क्वाल) नियमित संख्या की तुलना के लिए पर
लिए गए एक समूह में ऐसे लोग थे जो फार्मासिकल
cे संकर में नहीं आए थे। इन दोनों समूहों से उत्तीर
लाख नकल पर फुलारे वाले फार्मासिकल के प्रभावों का
लेकर एक समूह प्रभाव की मदद से उनके काम का
अध्ययन और सर्वस्थ फ्लाइट पर पड़ने वाले प्रभाव के
बारे में पूछताछ की गई। हवा के नहीं के विकल्प से
पता चला कि कार्यान्वयन में फार्मासिकल का अध्ययन
अक्षर अधिक था। इसके सभी लक्षण --नाक के अंदर
gा बयान लेने के उत्तरी हिस्से में खड़ा और खड़ा
fार्मासिकल के वातावरण में कार्य करने वालों में
dूसरे समूह की अपेक्षा बहुत ज्यादा थे। इस अध्ययन के
परिणाम इस प्रकार से थे:

<table>
<thead>
<tr>
<th>लक्षण</th>
<th>प्रभावित संख्या</th>
<th>नियमित संख्या</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>कुल नं = 74</td>
<td>कुल नं = 74</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>प्रतिष्ठत</td>
<td>प्रतिष्ठत</td>
</tr>
<tr>
<td>1. स्त्री</td>
<td>19 25.67</td>
<td>4 5.4</td>
</tr>
<tr>
<td>2. ज्वाला</td>
<td>32 44.49</td>
<td>1 1.35</td>
</tr>
<tr>
<td>3. मांस में तार्किक</td>
<td>35 47.29</td>
<td>4 5.4</td>
</tr>
<tr>
<td>4. नाक बन गर्दा</td>
<td>14 18.91</td>
<td>2 2.7</td>
</tr>
<tr>
<td>5. Epistaxis</td>
<td>1 1.35</td>
<td>2 2.7</td>
</tr>
<tr>
<td>6. अंगख में परिवर्तन</td>
<td>29 39.18</td>
<td>3 4.05</td>
</tr>
<tr>
<td>7. नाक नकल में ज्वाला</td>
<td>48 64.86</td>
<td>3 4.05</td>
</tr>
</tbody>
</table>

अधिक जानकारी के लिए पढ़ें: \( \text{इंडियन जर्नल ऑफ इंडिस्ट्रियल मेडिसन, भार्जा 38(3) सितंबर} 1992, \text{पेज नं} 129.

परिणाम का लाभ:
हाल के परिणाम उड़ान नियम नियंत्रक बोर्ड (५० ई. आ० बी०) ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि गाँव में नमस्ते
परिषद स्थान में जो आम लोग उड़ान के विभिन्न विभागों (५० ई. आ० बी०) में चिकित्सक के सुसंख्या संबंधी अर्थात अधिक
परिणामों की एक कड़ी थी।

इन १४७ दुर्घटनाओं में पांच प्रभाव थी। यह आ० बी० उड़ान ए० बी० की रिपोर्ट सूची में मौजूद परिचालन
लोको वा परिचालन एवं वा वालों के बाद करने की लक्ष की गई है।
लेकिन इसके प्रभाव दुर्घटनाओं का जिक्र नहीं है।
विवाद मुख्य है कि तार्किक बाल के, यह वालों से रिस
ये हलकारी सुधार करने वालों के प्रभाव के प्रभाव के एक
व्यवहारिक मात्र गया था।

ए० ई. आ० बी० ए० तैयार ए० आ० बी० उड़ान ए० बी० पी.
सूची में ४० मीटर अंदर आले बी के "जोट फायर" का
शिक्षा किया गया है जो इसके बाद वाला और
dुर्घटना के पारमाणु इंडियन परिषद में हुई विफलता के
बाद में लिखा गया है। इन दोनो दुर्घटनाओं में कार्यान्वयन
cे काम नही हुआ।

सभी बी\\(५० ई. इंडिया) में हुई इन ए० आ० बी० उड़ान
cे अंदर, १६.३% विभिन्न प्रणाली में, २४.५ प्रतिशत
dुर्घटना प्रामाणिकता प्रणाली में, ६.५ प्रतिशत आले
और ३.४ प्रतिशत (५ दुर्घटनाए) तार्किक दुर्घटनाओं की थी।

ए० ई. आ० बी० रिपोर्ट में उड़ान ए० बी० ए० के उन कारणों को उल्लोग किया गया है जिनसे दुर्घटनों
को २६ दिन से लेकर २ महीने तक बंद करना पड़ा।
दो कारण हैं मानवी गलती, तार्किक के बाद का
उल्लोग और रिस्क।

(लेख वर्ष १८ पर)
1. इलाके में गैस रिसाव से ध्यान दें।

अप्रैल 1993 में स्थापना व्यवस्था में गैस के रिसाव से नीति बनाने और एक एक्टिविटी का आदेश भी नहीं दिया गया। इस दृश्य में मिलान के पूर्व में बसे कार्यालयों में स्थित "कार्यालय का डाटा प्लाट" में हुई। द रेप्पेनडमियर (नई विलिनी) अप्रैल 25, 1993.

2. दिनांक 4 मई, 1993 को दिल्ली में छ: कार्यालय की बजारी से गैस हो गई और एक बुरी तरह जल गया। यह घटना दस क्वाला डीटी जब इस फैक्टरी के अधिकतम तत्कालीन पहुँचें की कोर्टिंग में लगे थे। यह सिंह (30), राम आसर (35), दिनेश किंद्र (25), पृथ्वी (55), राम सरस (40) और एक अटल कार्यालय की घटना बस्ती पर ही मौजूद हो गई और जबकि सोहनी ने फैक्टरी के अधिकतम जले पाने को दिनांक मासिक उपयोग होता है, उसने करना दिया था। इस कार्यालय के मालिक एनो केक जीने ने कैश का निर्माण (नए किंद्रिय) का भी एक आरक्षितक को दिया था, जिससे इसका आगे बढ़ने की आदेश की गई। धूपी ने धूपी के निर्देश के बाद उसी में रखी गई थी। जबकि अन्य पृथ्वी बुरी तरह बादल गई। दिनांक एक्सप्रेस (नई विलिनी) 6 मई, 1993.

3. खाने के विस्फोट में 13 मरे।

पीपुल के उत्तरी हिस्से में स्थित कॊला खाने में हुए विस्फोट में दिनांक 9 मई, 1993 को खलीला बनाने वाली फैक्टरी की आदेश

13 खाना मज्जा मारे गए और 26 लाशां है। 68 मज्जा गैरसंग रूप से पाए गए। जिमंत्र (नई विलिनी), 12 मई 1993.

4. लोट के प्लेट पर स्फोट में से दक्षिण दक्षबर करे।

दिनांक 14 मई, 1993 को दिल्ली के सुप्रीम इंडियन फॉर्म कार्यालय में लोट के प्लेट स्फोट में जाने से 3 कार्यालय की मौत हो गई। इस कार्यालय में दिनांक के मज्जा रखे गए हैं, जिसकी छात्र में 100 किलो मासिक रूप से पड़े। जिमंत्र की महत्वपूर्ण दे गणें कृपया मासिक कार्यालय देखिए।

5. धारा 118 कार्यालय की आदेश दिनांक 14 मई, 1993 को बंद करने पर धारा 118 कार्यालय की मौत हो गई और 14 लाशां है। इस खाने जालक्षन से बड़ी क्रिया थी।

6. धारा 188 वाले कार्यालय की आदेश दिनांक 188 मई, 1993 को जिमंत्र की मौत हो गई है। इस धारा 188 कार्यालय की आदेश दिनांक 18 मई, 1993.

7. दिनांक 25 जून, 1993 में 44 कार्यालय मारे गए।

दिनांक 25 जून, 1993 में दिल्ली में रिपोर्ट में गैस में विस्फोट से 39 कार्यालय की मौत हो गई और 14 लाशां है। इस खाने जालक्षन से निकल कर होता था।

8. विश्वविद्यालय की आदेश दिनांक 15 मई, 1993.

18 दिनों में दिनांक 15 मई, 1993 के दिन इलाके में अदेश लाने से बड़ी क्रिया की फैक्टरी के एक बिज़नेस फैक्टरी का शासन एक व्यापार करता था। इस रूप से काम करने वाली कार्यालय की मौत हो गई और 4 बुरी तरह से जबरदस्त हुई। प्रॉफ. प्रॉफ. सिंह ने शरीर कम करते हुए यह अदेश फैक्टरी का एक बिज़नेस फैक्टरी कर दिया। इसके बाद वाले कार्यालय की मौत हो गई और 4 बुरी तरह से जबरदस्त हुई। प्रॉफ. प्रॉफ. सिंह ने शरीर कम करते हुए यह अदेश फैक्टरी का एक बिज़नेस फैक्टरी कर दिया।
9. जमीन के धारण से 9 कामागर जिज्ञासा दफन

देशुक (मध्य प्रदेश) के शामिल होनेवाली गाँव में सफेद नीली के खंड धारण करने से 9 कामागर की उखान थी कि धारण करने से 10-12 आदमी लोग हुए थे।

10 मई, 1993 के दिन इसका एक बाहर रहने से सब कुछ अलग (25) और विवेकानंद (26) की सफायत हमारी मौत होगी। अन्तर्गत (नई दिल्ली), 13 जून, 1993.

12. धार कामागर मरे

14 जून, 1993 के दिन निदर्शन(तमिलनाडु) के हिंदुस्तान धारक के भावनाओं के विचार से लेने के कामागर के 4 कामागर की मौत होगी। निदर्शन (नई दिल्ली), 15 जून, 1993.

13. खादन का बद जाने से 8 कामागर की मौत

14 जून, 1993 के दिन निदर्शन (तमिलनाडु) के दहलान्नी गाँव में खादन के बद जाने से आठ कामागर मर गए और एक कामागर की मौत हो गई। निदर्शन (नई दिल्ली), 15 जून, 1993.

15. फैकटरी के विस्फोट में चार मरे

18 अगस्त, 1993 के दिन लोहा बनाने वाले भारत में हुए विस्फोट से चार कामागर की मौत हो गई। यह फैकटरी भुजावाँ जिले (रुजाना) के भलाई घर के भवन के तुलनात्मक इलाके में स्थित है। निदर्शन (नई दिल्ली), 10 अगस्त, 1993.

16. सात कामागर जिज्ञासा दफन

वर्मियाब (हिमाचल) के "पाली रतन क्रिश्चियों" में एक बाहर वह जाने से 7 कामागर की मौत हो गई। वह बाहर रहने पर रतन क्रिश्चियों (सिपिज़ नं 54) और राजेन्द्र रतन क्रिश्चियों (सिपिज़ नं 55) के बीच स्थित थी जो कि 25 जून, 1993 के दिन तड़ गई। अन्तर्गत (नई दिल्ली), 25 और 26 जून, 1993.

17. 200 खादन कामागर जिज्ञासा दफन

11. दीवार के दह जाने से दो कामागर मरे

दिल्ली के कुंभमल सरयू इलाके में जेबलिया ओरल कारण निर्माण के दौरान दीवार के बद जाने से दो कामागर की मौत हो गई। इसके निर्माण का ठेका दिल्ली विकास प्राधिकरण के तहत था,

11 जून, 1993.

14. खादन दुर्घटना में तीन की मौत

वर्मियाब (हिमाचल) के दिनों 11 अगस्त, 1993 के खादन के बद जाने से 3 कामागर मर गए। वह कामागर थे सेंस, बांदी और फीजी की। राज्यपाल सत्यवान (नई दिल्ली), 13 जून, 1993.
कोयले की खानों में दुर्घटनाओं की दर 24 प्रतिशत तक बढ़ी

कोयले की खानों में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 1992 में पालक दुर्घटनाओं का माध्यम 24 प्रतिशत तक बढ़ा है। प्रोफार अंकलन की एक रिपोर्ट के अनुसार (अर्थात् कोयला खानों की सुरक्षा पर शास्त्रीय समिति का नेतृत्व करने वाले) वर्ष 1991 के दोपहर कोयले की खानों में हुई दुर्घटनाओं में 116 कामगारों की मौत हुई। जबकि वर्ष 1992 के दोपहर 149 मौतें थीं। ये मौतें इस्तिमाल कए गए फील्ड, भारत के कोल लिमिटेड और संयुक्त कोल फील्ड लिमिटेड में रोज़ी से दुर्घटनाएं होती जा रही से बढ़ी हैं। इसमें अधिकांश दुर्घटनाएं छत्तीसगढ़-या दीवार के बीच जा सकती हैं।

इसमें 56 प्रतिशत दुर्घटनाएं खानों के अंदर भरी हिरसे में हुई और 33 प्रतिशत बाहरी हिरसे में। आधे प्रदेश के सिद्धांती कोल फील्ड लिमिटेड में पिछले वर्ष खाना दुर्घटनाओं में 19 कामगार मारे गए थे। जबकि इस वर्ष 27 कामगारों की मौत हुई।

(पृष्ठ 15 का शेष)

द्रूपे के साहसिक रिपोर्ट में रेडिया एजेंट चांदपुर पर 3 मार्च को वहाँ जाने का आयोजन किया गया था। इस रिपोर्ट में द्रूपे की विशेष दृष्टि लागू किए गए थे। इस रिपोर्ट के अनुसार द्रूपे की विशेष दृष्टि लागू किए गए थे। इस रिपोर्ट के अनुसार द्रूपे की विशेष दृष्टि लागू किए गए थे।

मई 1992 में द्रूपे ने एक लूट के आरोपित एक व्यक्ति का निर्देशन दिया था। वह एक व्यक्ति था जो एक बड़ी कार्यालय को लूट ले जाने के आरोप में था। इस रिपोर्ट के अनुसार द्रूपे की विशेष दृष्टि लागू किए गए थे।

इस वर्ष के मार्च महीने में नरसिंह परमशु कुमार के संदर्भ में उन्होंने पश्चिम गढ़वाल में एक बड़ी दुर्घटना को बचाए थे। उन्होंने एक व्यक्ति को बचाया था जो एक बड़ी कार्यालय को लूट ले जाने के आरोप में था। इस रिपोर्ट के अनुसार द्रूपे की विशेष दृष्टि लागू किए गए थे।
260 ट्रेड यूनियन कार्यकर्ताओं मारे गए

शिक्षा के वर्ष पूरी दुनिया भर में सरकार, सुरक्षा कमिश्न, मुद्रा-दत्त प्रक्रिया के अंतर्गत के कारण करीब 260 ट्रेड यूनियन कार्यकर्ताओं मारे गए। ये चोची देने वाली खाने इंस्पेक्शन, बायोस्पेक्शन और बायोलॉजिकल लैबोरेटरी के मुख्य चिकित्सक हस्तक्षेपण के तौर पर है। इसी वर्ष 2500 ट्रेड यूनियन कार्यकर्ताओं को हिस्सा में लिया गया और जेल भेजा गया। वर्ष 1992 में 40,000 से भी ज्यादा कैमरारों को मारा इसलिए नौकरियों से निकल दिया गया कि वे न्यूज़ताम मजदूरी और बेहतर कार्य स्थितियों की भांग कर रहे थे। इस सरकार्यास में 87 देशों के नाम दिये गए हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय ब्रांड चांडज़ में दिया ट्रेड यूनियन के यूनियनी अधिकार नामक नीरोड को अद्वितीय की। देशीय आगे, नंसी, नंसी, क्रिलिया, एलीवे, न्यूदर, ग्लिंडरिया, ईंगन, ग्राश्री, पेटू और सुधार जैसे देशों में ट्रेड यूनियन के प्रति इनका रुबब तौर और उपर है।

यह सरकार्यास निमित्तित पते से प्राप्त किया जा सकता है :-

ICFTU, rue Montagne aux Herbes, Potageres 37-41, B-1000 Brussels, Belgium

संकार :- आई. सी. इ. एफ. 20 जनवरी 2-1993.

हैलोजन की रोशनी में कैंसर का खतरा

हैलोजन तैयार अच्छे दिखते हैं, रोशनी भी अच्छी देते हैं, लेकिन यह खतरनाक भी है।

हैलोजन और उपयोग के प्रभाव से आत्महत्या बांटी है। इसकी हैलोजन से कैंसर हो सकता है।

हैलोजन तैयार के अनुसार हैलोजन बन्दों के कारण दर्द, जिन्होंने छोटी दुकानों में लगाये जाते हैं बना इन बन्दों की रोशनी वहाँ काम कर रहे स्ट्रॉक के लिए दिक्कतें पैदा कर सकते हैं।

हैलोजन बन्दों की भी कई किस्में उपलब्ध हैं।

इनमें सबसे खतरनाक बने हैं जिनमें फिल्मेंट के इंद-गिरी देश एक वक्तमें पढ़ा होता है। जो फिल्मेंट से उपजे ग्रूप बैंकी विक्रिया (Ultraviolet Rays) को नियंत्रण में असमर्थ होता है।

1. सी० ५० अंकवृदं  स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पत्र

2. तथा  अंकवृदं  पुष्पमयकर  शुभेच्छा  अंकवृदं  कानपुर (सी० ५० अंकवृदं  -कानपुर) ने स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के विभिन्न मुद्दों पर लेखों का दस्तावे छाे रहे है। इसलीं वे भाषा में बोला गया है। इसके पहले भाषा में निम्नलिखित विश्वास लिखा गया है:-

1. पुस्तक की आचार
2. डॉक्टर और कामनाकर
3. स्वास्थ्य अनुपमके  कृतिकाय लादने का क्षण है?
4. इसके पुकार काम - वैस लाभान्नित होता है?
5. पुस्तक हूरूरी ।
6. अभि तानितत (समींत)
7. आभ नामांकित करता
8. सुरक्षा स्वास्थ्य: कामांकित को दोनों दोहें वह सुरक्षा करता है?
9. स्वास्थ्य में दस्तावे
10. टैया एका वीं
11. एका एका है।

9. सुरक्षा में शारीरिक जोखिम के संबंध में निम्नलिखित विश्वास लिखा गया है:-

1. आंकोतक शर
2. आंकोतक शर
3. आंकोतक शर
4. आंकोतक शर
5. आंकोतक शर

6. अभिनव जानकारी के लिए संदर्भ करें :-

CWA-TCA 205, Placer Court, North York, Willowdale, Ontario, M2H 3H9, CANADA

2. सेप्टी हेल्थ एंड वर्किंग कंडिशन्स, ट्रैनिंग मैनवाल

यह मैनवाल एक अंक और शीर्षक डोक्टर इंडिया पर रिपोर्ट वर्किंग कंडिशन्स के लक्षणों से संबंधित है। यह मैनवाल निर्देशक के बेहतर बनाए दोनों के प्रकाश में एक अंक के दौर पर तैयार किया गया है और यह राष्ट्रीय विभिन्न लेखों के लिए प्रमाण दिए गए है।

फेबर 106 प्रकाशन वर्ष-1997 अभियु जानकारी के लिए संदर्भ करें :-

Joint Industrial Safety Council, The Working Environment Body for Management and Labour,

Post Box 3208, S-10364, Stockhom, SWEDEN.

3. प्रोफाइल ऑफ आक्रामकेन शेपटी एवं हेल्थ इन क्या?

एक ओमन गैंड शेपटी एबरोटों द्वारा संपादित पेज-38 कीमत मू।

4. इस के बारे में संदर्भ प्रौढ़ फॉर कैमिकल हेजाजो फॉर एक मैनवाल

इस मैनवाल में संदर्भ प्रौढ़ फॉर, उनके कारण और परिस्थिति वेलकपार देखते करने की दृष्टि, प्रौढ़ फॉर के वहां से विवेक कर गल्ला और स्थल और स्थल, वेलकपार के योजना के अनुसार तक, नौकरी कांडे और आपुशस्त्र के दौरे इनके कारण, आपुशस्त्र के बूथ व इनके उपयोग |ए गया कदम, प्रौढ़ के योजना की प्रवेश और दोनों की अपराधित, इसका भी विरोध किया गया है।

इसमें प्रौढ़ फॉर के डेंटल के अन्दर-शरीर से जुड़ी तस्किनों के दौरे एक गले जाने वाले दर्दों पर भी डरावना की गई है। प्रौढ़ 1991 के आपुशस्त्र के बाद योजना नियंत्रण के तहत जाने वाले आपुशस्त्र के विभिन्न भीमियों की भविष्यवाणियों पर भी उच्च विरोध रखा गया है।

फेबर - 205 जून 1992

6. ए गैंड डू मैनपेक्किंग, स्टार्टेंज एंड बुपरोड ऑफ हेजाजो कैमिकल राल्स, 1989

निर्देशिका के इस अंक में जोखिमपूर्ण दौरान कैमिकल देखने, हेजाजो करने और अन्य दे घटनानुसार 1989 का बाला दिया हुआ है और सब ही इसमें उच्च जाने वाले दर्दों तथा प्रतिक्रियाओं की दृष्टि एक कुछ किया गया है।

फेबर - 125 जून 1992

इस दोनों दस्तावेजों के लिए संदर्भ करें :-

42 दुर्गापूजादः स्वीतीस्विमूल उपाय

(संपूर्ण रिपोर्ट के लिए)
उपेक्षा का इतिहास

व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी जानकारी और उसके व्यवहार को हमेशा से उच्च दिग्विजय स्तर पर रखा गया है। आर्थिक रूप से लेकर आज के आधुनिक कंप्यूटर युग में कामाक्षी की कड़ी समय मूल्यवान रही है। लेकिन आर्थिक प्रगति में योगदान देने वाले इंसानों को अपनी सुरक्षा और स्वास्थ्य के आधिकारिक कृपा प्राप्त करने का हाराम नहीं है।

रोजान ने अपनी पुस्तक 'द हिस्ट्री ऑफ माइन्स डिलॉजी' में पॉटेंशियल के तहत न्यूयॉर्क गोल्ड माइन्स के बारे में एक शीर्ष इतिहासकार, डिवाइडर्स निवृत्त द्वारा बनाये गए विवाद लेखों-गोल्डों को लघुवांकित किया है। सिस्कलस ने 50 ईसा पूर्व इंग्लैंड का दौरा किया और उसके माध्यम से कामाक्षी के बारे में पता पड़ा जाता है, यदि उन्होंने कभी-कभी नियमों के अनुसार काम करने के लिए बाध्य है, और उन्होंने भाग जाने का भी कोई मौका नहीं है।

बंदी रहने वाले सेना भी विश्वसूत है, यदि अन्य-अन्य भाव सुझाए जाते हैं, इसीलिए उन्होंने इस गाड़ी को अपनी बात या दोस्तों के संबंध में जीती पुस्तक बनाने से निकला रहता है।

कुछ उन्हें कामाक्षी अपने नाम नहीं कर सकता है और यहाँ तक कि उन्होंने सूची भी नहीं देते हैं जो इन आयुक्तों का दुर्भाग्य पर तलाश खाते हैं, उनकी रोजगार या धीरीकर या भूलों, या औरतों की कामाक्षी के बायोस्फेरिका पर किसी प्रकार के आदर की कोई गुणावधारणा नहीं है, उन्हें मार-पीट कर तब तक काम करता जाता है, जब तक के ये अपना न करते हैं।

परंतु जब तक पर खंडने के रूप में उपरक्षित लोग ही घूरे हैं। पुराने समय में जरूर करने वाले कैदीयों का प्राप्त होने वाले अपने अपने अपने सरोवर बदला दिया जाता था। कभी-कभी तो यह गाड़ी के कामाक्षी की स्थिति में कोई सुधार नहीं आया है। लगातार हर वर्ष भारत के स्वास्थ्य में एक या दो अधिक मृत्यु दुर्घटनाएं होती रहती हैं। हाल ही में गांधी के लिए अस्पताल के जून के डीडिफ द्वारा आयोजन की जीता-जागरण उद्योगी है। आदे-आदे सरकारी ओर्डर्स पर इस भारतीय स्वास्थ्य ने 25% दुर्घटनाएं हटाए हैं। कब्ज़े इन दुर्घटनाओं से हमारी आंशिक चुनौती है?

लंबे समय से मौत के लिए भी इस दृष्टि में ही समझी जाती है। इंद्राणी ने बताते हैं कि क्या इस खंडन में इन चारों का क्या होता था?

भारतीय क्रिकेट का इस पूरे प्रक्रिया में सबसे आगे गए बच्चों और बच्चों को ही समय और प्रतिष्ठित किया गया है। यूरोप में पहले-पहल बच्चों की तुलना में कम काम करने के लिए नियुक्त किया जाता था। अभी तक के अनुसार के आधार पर दुमस भर में तस्वीर प्रदर्शन की गई, जिसने 'दिनांक न' पर काम का कारण रखा।

फलस्वरूप, यह निष्ठुर समाज के साथ भी निहत करने का वार्ता में खत्म होता है। अंधी-आंधी राजनीति के साथ यह प्रक्रिया में सबसे आगे गए बच्चों और बच्चों को ही समय और प्रतिष्ठित किया गया है। यूरोप में पहले-पहल बच्चों की तुलना में कम काम करने के लिए नियुक्त किया जाता था। अभी तक के अनुसार के साथ यह वार्ता में खत्म होता है।
यह तक कि किष्किसा विवाद से भी कामयाबी नहीं बाधी। यहाँ दो राय नहीं है कि हिंदूहिन्दूओं को उत्पादन एवं तकनीकी संकल्पनाएं दे दी जाएँ। हिन्दू रायों की उपस्थिति के लिए इसलिए यह आम तौर पर बांटा जाता है। यहाँ दो सिद्धांत थे कि कामयाब सीमाओं में दुःख का कारण के रूप में कामयाबी की सीमाओं में नहीं है। इस तरह खुद की अनुभव यह है कि कामयाबी के लिए खुद की अनुभव है। इसलिए इसका कारण उपस्थिति के लिए इस स्थान के रूप में कामयाबी की सीमाओं में नहीं है।

महाराज तुम्हें यहाँ दो राय नहीं है कि हिंदूहिन्दूओं का प्रगतिशील दृष्टि नहीं है। इसलिए यह आम तौर पर बांटा जाता है। यहाँ दो सिद्धांत थे कि कामयाब सीमाओं में दुःख का कारण के रूप में कामयाबी की सीमाओं में नहीं है। इस तरह खुद की अनुभव यह है कि कामयाबी के लिए खुद की अनुभव है। इसलिए इसका कारण उपस्थिति के लिए इस स्थान के रूप में कामयाबी की सीमाओं में नहीं है।

विषय है कि बांट देने वाले से भी लाभ लेने के लिए इस स्थान के रूप में कामयाबी की सीमाओं में नहीं है। इसलिए इसका कारण उपस्थिति के लिए इस स्थान के रूप में कामयाबी की सीमाओं में नहीं है।

परिस्थिति इससे अलग है कि हिंदूहिन्दूओं का प्रगतिशील दृष्टि नहीं है। इसलिए इसका कारण उपस्थिति के लिए इस स्थान के रूप में कामयाबी की सीमाओं में नहीं है।
उद्दीया के राजगंगपुर में रिफरेंसप्लांट के कामगारों में सिलिकाटसिस की व्यापता

रिफरेंस प्लांट के कामगारों में सिलिकाटसिस

रिफरेंस प्लांट के कामगारों में सिलिकाटसिस भारत के साथ-साथ दुनिया भर में सबसे बड़ी जानलेवा व्यवसाय के फेंकने की बीमारी है। सभी तरह के उद्योगों के गर्मियों में हजारों कामगारों इस सतत विश्व से जोखिम गाय की बीमारी के विकास है। खासीर देशों के साथ जो मुलायम को अपनी सफलता करे और उन्हें जागरूक बनाने के प्रयासों में अनुभव देंगे अधिकतर कामगारों की तारीख तक प्रदर्शन का सतर उनसे बुझा रहा है। सीमित उद्योगों और दुनिया प्लांट के प्लांट प्रदर्शन उद्योगों की सबसे खतरे में निम्ना होता है।

सन 1991-92 तक बढ़े किर में प्लांट की कुल शमता 65 मिलियन टन के कारण थी और उसके उद्योग की शमता 54 मिलियन टन तक (81% की शमता) इस उद्योग के नजरिया योजना में सन 2000 तक इसे 35 मिलियन टन और बढ़ाना का लक्ष्य रखा गया है। इस समय तक यह देश दुनिया में सबसे ज्यादा उत्पादन करने के अपने आज के पांचों स्थान से दूसरे स्थान पर आ जाता है (वानी चीन के बाद)।

रिफरेंस प्लांट

कई देशों में जोहाताल के विकास की प्रतिकूल शमिल हैं जो भट्टी बिशाने के लिए द्वीपों को फूल डेंड्रो एवं लिस्ट्रा के साथ खानी दुनिया प्लांट की योजना रखते हैं। एक आकलन के अनुसार सन 1992-93 में दुनिया प्लांट की योजना में 21 लाख टन है जो सन 2000 तक 32 लाख टन तक बढ़ा जाने की उम्मीद है, क्योंकि सन 1986-87 के आधार पर वर्ष 5% की दर से इसके उद्योग में बढ़त हुई थी, जिसमें 15 लाख टन की बढ़त थी। सन 1995-96 में अधिकांश क्षमता बढ़ जाएगी से उत्पादन का क्रम 16.3 लाख टन के आस्था होगा। इस दौरे के चौथे देर के लिए अधिकांश शमता 19.6 लाख टन करने की होगी।

<table>
<thead>
<tr>
<th>उपयोग करने की क्षमता और उपयोग वर्ष</th>
<th>शमता</th>
<th>उद्योग (मिलियन टन में)</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1980-81</td>
<td>27.9</td>
<td>18.7</td>
</tr>
<tr>
<td>1981-82</td>
<td>29.3</td>
<td>21.0</td>
</tr>
<tr>
<td>1982-83</td>
<td>34.4</td>
<td>23.3</td>
</tr>
<tr>
<td>1983-84</td>
<td>37.0</td>
<td>27.1</td>
</tr>
<tr>
<td>1984-85</td>
<td>41.2</td>
<td>30.2</td>
</tr>
<tr>
<td>1985-86</td>
<td>44.0</td>
<td>33.1</td>
</tr>
<tr>
<td>1986-87</td>
<td>51.7</td>
<td>36.4</td>
</tr>
<tr>
<td>1987-88</td>
<td>58.0</td>
<td>36.6</td>
</tr>
<tr>
<td>1988-89</td>
<td>60.0</td>
<td>41.7</td>
</tr>
<tr>
<td>1989-90</td>
<td>61.5</td>
<td>44.9</td>
</tr>
<tr>
<td>1990-91</td>
<td>64.0</td>
<td>44.8</td>
</tr>
<tr>
<td>1991-92</td>
<td>65.0</td>
<td>50.8</td>
</tr>
</tbody>
</table>

व्यावसायिक व्यापार बुलेटिन
सिलिकोसिस कैसे होता है?

सिलिकोसिस ह्याँ मैं उड़ने वाली सिलिका (SiO2) को धार के जियें दर्जन बनने से होता है। इसके ज़रिए यह स्तर तीन कीर्तिने दोस्त है : वातावरण में धूल की समस्ता। ह्याँ मैं उड़ने वाली सिलिका का प्रशिक्षण और इसके प्रभाव में बन रहे होंगे की अवस्था।

सिलिका के बाहर कान में सबसे त्याग चारणकर उद्धार होता है जिसका आया 5 मि. मी. से कम है क्योंकि यह क्षय अलविद्यालय में पृथ्वीकरण करने के उद्देश्य में जमाने लगता है और फेफड़े के उस मेक्रोफाइल्स का किया जाता है, जोकि स्फूरक्त में फेफड़े के जाने वाले पतले में जमा हो जाता है। सप्ता हां से कहें तो भी परिवर्तनों का शास्त्रीय प्रभावों का निराकार निषेध करने में फेफड़े का क्रियाशीलता समाप्ती सीमा नहीं हो सकती है या सांस लेने में निरस्त कर पेशा हो सकती है।

यदि इस शरीर में प्रोटिकोसिस का अभाव आ जाता है, तब भी प्रभाव संयोजन करने के लक्षण बने रहते हैं। ये सनातन अथवा हथर के अवकाश होते तो यह बड़ी सक्षम होती है। अभिगत या इसके विकिरण से सिलिकोसिस का सिद्धांत बन जाता है और कम समय में प्रोटोनिकोसिस हो जाता है, जिसके पास "पी" दायरे के छोटे-छोटे टूटे दिखते हैं। ऐसे में मरीज के एस-एस में ग्लास पेश के बाहर के लक्षण दिखते हैं।

यह आमतौर पर नौकरियां जाता है कि सिलिकोसिस ट्यूबारकीलोसिस पनसे में सुधिया ददकर करता है, क्योंकि आप नमो तो अभाव सिलिकोसिस से पीड़ा कामदार में विभाजन ट्यूबारकीलोसिस की गोत्रण गई गई है। सिलिकोसिस और ट्यूबारकीलोसिस में पूरी तरह से पप्प सकते हैं, अपना-अपना भी और साथ तरककरा भी। अब इसका कारण रहता है कि शरीर की प्रभाव सिलिकोसिस भी खाने ट्यूबारकीलोसिस के भिन्नकर बांध से पप्प सकता है। इससे और यह संकेत है कि सिलिकोसिस की बड़ी अवस्था में जल्द मरीज को पी. श्री. हो जाने की जडाभनोता होती है और सिलिकोसिस भी पी. श्री. के पप्प में सुधिया प्रभाव करता है और ऐसी तो. श्री. का प्रभाव सिलिकोसिस से निरस्त कर और उसे हो जाता है। सिलिकोसिस-ट्यूबारकीलोसिस का प्रद्यूं अवस्था की विशिष्ट प्रक्रिया है, जिसके लक्षण में मरीज बेचौनी बने होने की सिद्धांत करता है। रोग संपूर्ण के लक्षण सिलिकोसिस की असंभव और पी. श्री. के हर पर निर्माता करता है। पी. श्री. दिनान्तों क्षय हार और पैरा हुआ होगा हो उनके के जरिए रोगसूत्र होगा पयान बजन का घटना जाना और अम बेचौनी बढ़ती जाएगी।

इसके लक्षण क्या है?

बलात के लाय सीखी होते प्रभाव ब्रोन्काइटस का संकेत है, थीर-
परिणाम

I. कामगारों का चिन्हणन

1. कामगारों की उम्र : फेमेड को किसानीलित की जाती और व्यस्कारक स्मृतांश को रिकॉर्ड लिए गए कुल 170 कामगारों में अधिकतम 31 से 40 वर्ष की उम्र के बीच के थे। 72 कामगार (42.4%) इस उम्र के बीच के थे और 51 साल से अधिक उम्र के कामगारों को संख्या सबसे कम थी। संख्या 14(8.2%) ही 51 लाल साल से अधिक के थे। यहाँ किसी भी बाल मतदार को नहीं पाया गया। यहाँ आए सभी कामगार 20 वर्ष से अधिक के थे। (तालिका 1)

2. कामगारों का विवरण : इस उद्योग में पुरुष कामगारों का ही बोलता है और उनकी संख्या 149 (87.6%) थी। ये तीन विभागों में 21 (12.4%) और 88(51.8%) कामगार सिलिका में से 7 (4.1%) मिश्रण सिलिका में, 11 (6.5%) प्रेस सिलिका में और 64(37.6%) और भिजवाता विवागों में थे जैसे : विज्ञापन, रसायन, गुणोत्तरण, इत्यादि। (तालिका संख्या - 2)

3. विवाह : ये विवाह जाने कामगार सिलिका के काफी नज़रबांध थे, उन्हें पहले विवाह रही थी। इसी कारण से ही 88(51.8%) कामगार सिलिका में से 7(4.1%) मिश्रण विवाह में, 11(6.5%) प्रेस विवाह में और 64(37.6%) और भिजवाता विवाह में थे जैसे : विज्ञापन, रसायन, गुणोत्तरण, इत्यादि। (तालिका संख्या - 4)

4. काम के वर्ष : अधिकतम 124 (72.9%) कामगार इस उद्योग में 11 साल से भी बढ़ता साल से काम कर रहे थे और संख्या 12 (7.1%) कामगार ऐसे थे जो 5 साल से कम समय से यहाँ काम में जुड़े थे हैं। (तालिका संख्या - 4)

5. 162(95.3%) कामगारों के यह पहले नौकरी थी। उन्होंने इससे पहले किसी और उद्योग में काम ही नहीं किया था। (तालिका संख्या - 11)

6. धूपघात का लाभ - कुल 170 कामगारों में से 10(5.9%) के धूपघात का लाभ थी और 160 (94.1%) गैर-धूपघात बाली थे। (तालिका संख्या - 12)

II. कार्यस्थल में धूप का स्तर

1. कार्यस्थल में धूप का स्तर : कार्यस्थल में धूप का स्तर अस्तित्व माना जा सकता है जिसने देखा कि कार्यस्थल का बातचीत पूरी तरह से धूप भरा रहता है और 109(64.1%) कामगारों का कहना था कि जब मरीन बाल भी नहीं होता है, तब भी काफी धूप उपलब्ध रहता है, खासकर यह दूसरे विवाहों से उठाया हुआ यहाँ पहुँचता है। (तालिका संख्या - 5)

2. कार्यस्थल में भाषा संबंधी उपकरण और धूप का बाहर फेमेड बाल के एंटाइड इंडीज पत्र को सुझाव देते हैं: पर्यटन एंड साइट विवाहों से प्रवर्तन के नाम पर कामगार को खासकर दाहिना रूप प्राप्त किया है। नहीं तो यह भाषा कार्यस्थल होता है और यहाँ कभी भी भाषा रखता है। (तालिका संख्या - 8) 132(77.6%) कामगार का कहना था कि धूप को रोकने की कोई सुविधा नहीं है। (तालिका संख्या - 9) और 42(24.7%) कामगार का कहना था कि नहीं कभी भी ये लगाए भी गए, यहाँ भी ये किसी काम के नहीं है।

III. आयाम का ग्राहकी लक्षण

1. छात्रों के शिकार : यदि इन 160 कामगारों में धूपघात को लंबे भी नहीं है, फिर भी इनमें छात्रों को काफी शिकार रहता है। जब यह पुष्प ग्रहण कर छुट्टी के समय छात्र को तकलीफ रहता है, 127(74.7%) ने इस पर हामि भरे, जबकी 29(17.1%) कामगार का कहना था कि छुट्टी के दौरान उनकी छात्रों को ज्यादा लगने वाला है। (तालिका संख्या - 13) 120(70.6%) कामगार का कहना था कि उन्हें पूरी दिन के काम में छात्रों की तकलीफ रहती है।

2. खासी के लक्षण : 101(59.4%) कामगारों को मुश्किल उत्तम के समय छात्रों का होना है। (तालिका संख्या - 15) और 102(60%) कामगार अधिकांश में इस समय से धूप रहता है, वानी साल में उन्होंने (तालिका संख्या - 16) 136(80%) कामगार इस समय को 5 साल से कम समय से धूप रहता है और 10(5.9%) 11 साल से भी धूप रहता है। (तालिका संख्या - 17)

3. बालाम की समस्या : 91(53.5%) कामगार उठाने ही बालाम पूरा करते हैं (तालिका संख्या - 18) 77(45.3%) कामगार को जर्मा हुआ बालाम निकलता है। 68(40%) कामगार को सफल बालाम निकलता है और 22(12.9%) को पीला बालाम निकलता है, यह समस्या उनमें अधिकांश दिनों में बनी रहती है, वाना
विचार इंतज़ार

सल में लीने में आया (तालिका संख्या - 20)। 148(87.1\%)
कामारण थाँग सल में कम समय से आया (तालिका संख्या - 21)। 15(5.29\%)
कामारण 11 सल में भी आया (तालिका संख्या - 22)। 152(47.53\%)
кामारण का काम था कि उन्हें सभी में स्थायी खुलासा रही
25(14.74\%)
कामारण की शर्त से सभी और 60 कामारण
tका काम था कि इससे इसकी तकलीफ़ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

4. सौंस पूरी न सल में आया (तालिका संख्या - 23)
कामारण की साक्षु लेने में आया (तालिका संख्या - 24)
अधिकांश कामारण मिली कोसिस के ग्रेड 1 का
चार में पाए गए, यानी 98 (57.6\%)
कामारण। 19(11.2\%)
ग्रेद II, 15(8.8\%)
ग्रेद III में और 3 (1.8\%)
ग्रेद IV में पाए

5. फेंके को की टिकाओता का जोंचः एफ. इ. बी.1 और एफ. इ. बी. सी. के पिताओ को डो समीक्षा में बोता गया -
जन्म 2.00
tका काम था और दुसरे निम्न 2.00 से आया (तालिका संख्या - 25)
68(40.4\%)
कामारण में एफ. इ. बी. 2.00 से का था (तालिका संख्या -
24), और 50(29.4\%)
कामारण में एफ. इ. बी. 2.00 से का था (तालिका संख्या -
25)।

IV महापृण संबंध

काम के वर्ष और सौंस पूरी की तकलीफ़ : हमें पता कहा कि
जेस-जैसे कामारण के काम का वर्ष बढ़ा, उन्हें सौंस पूरी की
तकलीफ़ भी बढ़ती चली गई। यही उन 73 कामारण में इसका
माध्य ग्रेड 1 था, जो सिखाए 11 सल में स्थायी सम्पत्ति से काम
कर रहे हैं और इस समूह में 15 कामारण ग्रेड II और 2 में ग्रेड
IV को स्थिति थी।
उभ : जेस-जैसे कामारण की उम्र बढ़ी, उनमें एफ. इ. बी.1/एफ. इ. बी. सी.
पो. इ. एफ. इ. बी.1/एफ. इ. बी. सी. का प्रतिसाद
धारा 20-30 सल को उम के 10 कामारण ये निम्ने एफ. इ.
बी. 2.00 से काम था। 31 सल की उम वाले 22 (30.61)
कामारण में पाया। इस प्रकार 41-50 सल की उम में यह
बढ़कर 24 कामारण में देखा गया और 51 सल की उम में सभी
ज्ञान लोगों में, यानी 12 कामारण में पाया गया। यही यह वर्तमान
दिने को है कि 51 सल की उम के कुल 14 कामारण ही
थे। इसका अर्थ यह हुआ कि इस समूह के 85.7\% कामारण में
एफ. इ. बी. 2.00 से काम था।

परख और चर्चा

इस समूह की दोष से यह वात उजागर हुआ और यह तथ्य सामने
आया कि जेस में छोटे का स्तर निष्पादित मानक के कारण छोटा
है। यह तथ्य न केवल कामारण के ज्ञान से ही उंगर है, बल्कि
सिल्कार के इस पिता वाले में पूरी कामारण की शाखा संख्या
से भी निलक्षित है। इसमें जो कामारण जिनके अधिक वर्ष से देखा
में जूट हुआ है उनके भाग की तकलीफ़ भी जूट अधिक जोड़ी
पड़ता है। सिल्कार-ट्यूबरक्लोसिस के भाग के सम्भाषण से भी
इतना कम किया जा सकता। कामारण में जूटकार किस्किस एस-किस्किस
tक्लोसिस, जूट सामर्थ्य काफी हद तक व्यापक है। कुछ
कामारण के एस-रे भी मिले, जिन्हें ए. एफ. एड. एस. ने या
तो दी, बी. कारण दिया था या उनके मामले दर कर दिये थे। फेंके
दिया निशान सिल्कारी और सिल्कार-ट्यूबरक्लोसिस को
बोधी की दर्शन है।

युवापास के पास प्रदर्श को की क्रियाशीलता जून वाले अध्यात्म न
होने की समस्या है। इसमें कोई शब्द नहीं कि राष्ट्रपति को ही एफ.
एस. एफ. को जन्म देना मिलता रहा है, लेकिन यहाँ
के स्वायत्त एस. एस. हस्ताक्षर में फेंके की क्रियाशीलता
<table>
<thead>
<tr>
<th>1. कामगारों को उम्र</th>
<th>महसूल</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>20 से 30 वर्ष</td>
<td>35</td>
<td>20.6</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>31 से 40 वर्ष</td>
<td>72</td>
<td>42.4</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>41 से 50 वर्ष</td>
<td>49</td>
<td>28.8</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>51 और उससे अधिक</td>
<td>14</td>
<td>8.2</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>2. महिला और युवाओं की संख्या</th>
<th>महसूल</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>महिला</td>
<td>149</td>
<td>87.6</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>युवाओं</td>
<td>21</td>
<td>12.4</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>3. विभाग</th>
<th>महसूल</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>प्राइवेट मिल हाउस</td>
<td>88</td>
<td>51.8</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>निपटान</td>
<td>7</td>
<td>4.1</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>प्रेस</td>
<td>11</td>
<td>6.5</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>अन्य</td>
<td>64</td>
<td>37.6</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>4. काम के वर्ष</th>
<th>महसूल</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>20 से 5 वर्ष</td>
<td>12</td>
<td>7.1</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>6 से 10 वर्ष</td>
<td>34</td>
<td>20.0</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>11 और उधार</td>
<td>124</td>
<td>72.9</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>5. कार्यस्थल में धूल का स्तर (कामगारों को प्रतिशत से)</th>
<th>महसूल</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>स्वच्छ</td>
<td>1</td>
<td>0.6</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>धूल से भाग</td>
<td>34</td>
<td>20.0</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>धूलों अधिक धूल से भाग</td>
<td>135</td>
<td>79.4</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>6. धूल भीरी परिस्थितियाँ में योगदान है (कामगारों को प्रतिशत से)</th>
<th>महसूल</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>सिर्फ़ तम्बो बज मशीन</td>
<td>12</td>
<td>7.1</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>चलते है</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>मशीन न चलने के बाकी</td>
<td>109</td>
<td>64.1</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>लगातार मशीन चलती</td>
<td>49</td>
<td>28.8</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>सहा है</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>7. मिल के अन्य हिस्से</th>
<th>महसूल</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>पूरी तरह स्वच्छ</td>
<td>1</td>
<td>0.6</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>मेरे ही किस्म की तरह</td>
<td>104</td>
<td>61.2</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>मेरे विभाग से कम धूल भाग</td>
<td>85</td>
<td>38.2</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>
### 8. व्यक्तिगत सुरक्षा के उपकरण का उपयोग

<table>
<thead>
<tr>
<th>मद संकेत</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिस्तर</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>सुरक्षा उपकरण की कोई व्यवस्था नहीं</td>
<td>2</td>
<td>1.2</td>
</tr>
<tr>
<td>बच्चे या महिलाओं के लिए कागाद का माध्यम गूही लगाया गया है</td>
<td>29</td>
<td>17.1</td>
</tr>
<tr>
<td>सुरक्षा पहनने या अन्य स्वास्थ्य उपकरण का स्वयं गूही</td>
<td>139</td>
<td>81.7</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

### 9. धूल दबाने की सुविधा

<table>
<thead>
<tr>
<th>मद संकेत</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिस्तर</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>है</td>
<td>38</td>
<td>22.4</td>
</tr>
<tr>
<td>नहीं</td>
<td>132</td>
<td>77.6</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

### 10. इस सुविधा के असर

<table>
<thead>
<tr>
<th>मद संकेत</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिस्तर</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>कोई सुविधा है ही नहीं</td>
<td>128</td>
<td>75.3</td>
</tr>
<tr>
<td>कोई असर नहीं</td>
<td>42</td>
<td>24.7</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

### 11. क्या किसी और ने भी काम किया है?

<table>
<thead>
<tr>
<th>मद संकेत</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिस्तर</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>है</td>
<td>8</td>
<td>4.7</td>
</tr>
<tr>
<td>नहीं</td>
<td>162</td>
<td>95.3</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

### 12. भूमिका की आदत

<table>
<thead>
<tr>
<th>मद संकेत</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिस्तर</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>भूम बनाने के दिन काम करते हैं</td>
<td>10</td>
<td>5.9</td>
</tr>
<tr>
<td>भूमिका न करते हैं</td>
<td>160</td>
<td>94.1</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

### 13. छूट के समय दिनों की तकलीफ

<table>
<thead>
<tr>
<th>मद संकेत</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिस्तर</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>छूट में कोई तकलीफ नहीं</td>
<td>10</td>
<td>5.8</td>
</tr>
<tr>
<td>दौड़ पूरा छूट में तकलीफ</td>
<td>127</td>
<td>74.7</td>
</tr>
<tr>
<td>छूट के दिन में तकलीफ की शुरुआत</td>
<td>4</td>
<td>2.4</td>
</tr>
<tr>
<td>छूट में भी कोई अधिक नहीं</td>
<td>29</td>
<td>17.1</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

### 14. छात्रों की तकलीफ से पीड़ित

<table>
<thead>
<tr>
<th>मद संकेत</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिस्तर</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>सराह के सिस्टर दिन</td>
<td>18</td>
<td>10.6</td>
</tr>
<tr>
<td>सराह के दिन और बाबू</td>
<td>120</td>
<td>70.6</td>
</tr>
<tr>
<td>सराह के दिनों में डीपिए</td>
<td>32</td>
<td>18.8</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

### 15. तुबह उठने से छात्रवृद्धि

<table>
<thead>
<tr>
<th>मद संकेत</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिस्तर</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>है</td>
<td>101</td>
<td>59.4</td>
</tr>
<tr>
<td>नहीं</td>
<td>68</td>
<td>40.0</td>
</tr>
<tr>
<td>कोई पण नहीं</td>
<td>1</td>
<td>0.6</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>
16. आज की तरह अधिकार दिनों में खासी
(एक साल में लगभग तीन महीने)

<table>
<thead>
<tr>
<th>मद संकेत</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>कोई जालब नहीं</td>
<td>1</td>
<td>0.6</td>
</tr>
<tr>
<td>है</td>
<td>102</td>
<td>60.0</td>
</tr>
<tr>
<td>नहीं</td>
<td>67</td>
<td>39.4</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

17. कितने सालों से खासी की तकलीफ है

<table>
<thead>
<tr>
<th>मद संकेत</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>5 साल से कम था लाई</td>
<td>136</td>
<td>80.0</td>
</tr>
<tr>
<td>6 से 10 सालों के बीच लाई</td>
<td>24</td>
<td>14.1</td>
</tr>
<tr>
<td>11 लाई से अधिक लाई</td>
<td>10</td>
<td>5.9</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

18. सुबह उठने ही बलगम निकलता है

<table>
<thead>
<tr>
<th>मद संकेत</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>है</td>
<td>91</td>
<td>53.5</td>
</tr>
<tr>
<td>नहीं</td>
<td>79</td>
<td>46.5</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

19. बलगम किस रंग का निकलता है

<table>
<thead>
<tr>
<th>मद संकेत</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>नया हुआ</td>
<td>77</td>
<td>45.3</td>
</tr>
<tr>
<td>सफेद</td>
<td>68</td>
<td>40.0</td>
</tr>
<tr>
<td>पीला</td>
<td>22</td>
<td>12.9</td>
</tr>
<tr>
<td>अन्य</td>
<td>3</td>
<td>1.8</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

20. बलगम अधिकर दिनों में निकलता है
(एक साल में तीन महीने)

<table>
<thead>
<tr>
<th>मद संकेत</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>कोई जालब नहीं</td>
<td>2</td>
<td>1.2</td>
</tr>
<tr>
<td>है</td>
<td>88</td>
<td>51.8</td>
</tr>
<tr>
<td>नहीं</td>
<td>80</td>
<td>47.0</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

21. बलगम की तकलीफ कितने सालों से है

<table>
<thead>
<tr>
<th>मद संकेत</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>5 साल से कम था लाई</td>
<td>148</td>
<td>87.1</td>
</tr>
<tr>
<td>6 से 10 सालों के बीच लाई</td>
<td>17</td>
<td>10.0</td>
</tr>
<tr>
<td>11 और अधिक लाई लाई</td>
<td>5</td>
<td>2.9</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

22. किस पौसम में तकलीफ रहती है

<table>
<thead>
<tr>
<th>मद संकेत</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>पौसम का कोई असर नहीं</td>
<td>60</td>
<td>35.3</td>
</tr>
<tr>
<td>नया</td>
<td>8</td>
<td>4.7</td>
</tr>
<tr>
<td>सफेद</td>
<td>25</td>
<td>14.7</td>
</tr>
<tr>
<td>पीला</td>
<td>77</td>
<td>45.3</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

व्यावसायिक स्वास्थ्य बुलेटन
### विचार बिन्दु

#### 23. सांस पूर्लने का प्रेंड

<table>
<thead>
<tr>
<th>पद संकेत</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>प्रेंड - O</td>
<td>35</td>
<td>20.6</td>
</tr>
<tr>
<td>प्रेंड - I</td>
<td>98</td>
<td>57.6</td>
</tr>
<tr>
<td>प्रेंड - II</td>
<td>19</td>
<td>11.2</td>
</tr>
<tr>
<td>प्रेंड - III</td>
<td>15</td>
<td>8.8</td>
</tr>
<tr>
<td>प्रेंड - IV</td>
<td>3</td>
<td>1.8</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

#### 24. एफ. ई. वी. 1

<table>
<thead>
<tr>
<th>पद संकेत</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>2.00 से कम</td>
<td>68</td>
<td>40.0</td>
</tr>
<tr>
<td>2.01 से अधिक</td>
<td>101</td>
<td>59.4</td>
</tr>
<tr>
<td>जोड नहीं</td>
<td>1</td>
<td>0.6</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

#### 25. पी. ई. एफ.

<table>
<thead>
<tr>
<th>पद संकेत</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>2.00 से कम</td>
<td>27</td>
<td>15.9</td>
</tr>
<tr>
<td>2.01 से अधिक</td>
<td>142</td>
<td>83.5</td>
</tr>
<tr>
<td>कोई जोड नहीं</td>
<td>1</td>
<td>0.6</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

#### 26. एफ. ई. वी./एफ. वी. सी. प्रतिशत

<table>
<thead>
<tr>
<th>पद संकेत</th>
<th>संख्या</th>
<th>प्रतिशत</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>80 से कम</td>
<td>19</td>
<td>11.2</td>
</tr>
<tr>
<td>81 से अधिक</td>
<td>150</td>
<td>88.2</td>
</tr>
<tr>
<td>कोई जोड नहीं</td>
<td>1</td>
<td>0.6</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>170</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

#### काम के वर्ष और सांस की तपालीफ

![Bar Chart](chart.png)

#### काम के वर्ष और एफ. ई. वी.-1/एफ. वी. सी. प्रतिशत

![Bar Chart](chart1.png)
अहमदाबाद में वातावरण सिपाहियों में कैसर का सबसे अधिक झांसा

अहमदाबाद में हर पांच ट्रैफिक पुलिस कमिश्नरों में से चार के साथ कैसर का सबसे बड़ा झांसा बना हुआ है और हर पांच में से तीन के लिए आंशिक संबंध उठ गई है।

ट्रैफिक कार्यों पर हमारी कृति की सीमा बढ़ाने पर प्रति कुल वाहनों में 2000 माइलों को अपेक्षा दो से सात गुना व्यावहारिक है। यह स्थिति काफी वित्तीय है और इसी के चलते ट्रैफिक पुलिस को ऐसे चौराहों पर कार्य के दौरान प्रदूषण रोकने के मार्ग (उपकरण) पहनने के लिए जामा होने पड़े है।

इस शहर में कैरेंट-पोसोंकार्गार की वृद्धि की जितनी बढ़ता है जो है। यह कहा जाता है कि यह स्थिति 2000 माइलों प्रति कुल वाहनों को बढ़ाई सीमा से चार गुना व्यावहारिक हो गई है। यहाँ के वातावरण में व्यापक नारोडजन के ऑक्सीजन की मात्रा 80 माइलों प्रति कुल वाहनों की सामान्य स्थिति से दो से सात गुना तक बढ़ी बताई जाती है।

इन सबके चलते अभी तक अहमदाबाद के 25% नारोडजन-जुड़ते बीमारीयों के लिए नए सेंटरों ने लगी नए शाखाएं में स्थापित होने लगी है। इनमें वह विशेषता अहमदाबाद के द्वारा नए नब्बे का सभी प्रभावित शहर हो चुका है, जिनमें चलते शहर के ट्रैफिक प्रश्न और तथाकथित पर्यावरणवादियों में जिता की लहर टहली गई है। ये लोग शहर की बढ़ती आबादी के न रोके जाने के कारण ऐसी स्थिति की आपूर्ति अधिक है।

साथार : इंडियन एक्सप्रेस (नई दिल्ली), 31 अगस्त, 1993.

विकिरण जॉड़हरु में स्वयंसेवक भू-वैज्ञानिक सविकार के कारण

रेडियो-एंटेंय प्रबंधक (जो कहिए वन्यजीवों की तलाश और विश्लेषण के लिए उपयोग में लाया जाता है) के प्रभाव को देखते हुए भारतीय भू-वैज्ञानिक सविकार के मुख्यालय में खराबली मच गई है, और परमाणु ऊर्जा निर्माता बोई की एक टीम इस मामले की जिंदगी के लिए वर्षों से निकल चुकी है।

भारतीय भू-वैज्ञानिक सविकार के चीफ वैज्ञानिकों ने यह बताया है कि वे विकिरण का पहला-पहल स्टोर सुपरफ़र्ड करना चाहते हैं, जोकि कई सालों से स्टोर लिखा गइ प्रबंधक के अलावा न्यूट्रियल और रेडियो के बाद बदले के लेन-देन का काम कर रहा है।

"प्रबंधक के यंग में विकिरण पदार्थों की भोजन-पद्धति का हो पता नहीं चला, यह तो सूक्ष्म तंत्र के उपयोग पतले से ही कर ही जाते।" एक वैज्ञानिक का कहना था।

यह पूर्वज मोह, श्री एस. के., बिस्कैप, तो अब भारतीय भू-वैज्ञानिक सविकार के प्रकाशन विभाग में चलती है। इसके साथ में यह पूर्वज रेडियो-एंटेंय किरणों से पतल पतल पतला है। उसने बताया कि तब विभाग नागरिक के नुकसान, बल्कि का प्रेस रहा होने, तथा की बीमारियों तथा शारीरिक गड्ढों में स्तर है।

साथार : हिन्दुस्तान टाइम्स (नई दिल्ली), 12 जनवरी 1993.

व्यापार साभार

2 से 4 सप्ताह 1994 के बीच दिल्ली में आयोजित बैठक में व्यापारिक वातावरण में सुरक्षा के मुद्दे पर जागरूकता का आयोजन-प्रदर्शन का प्रदर्शन करने का निर्देश दिया गया। इस बैठक में बिक्री-विक्रेता के वैध सुरक्षा कार्यक्रम, उपचार सरकार और अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यक्रम में एक विभागित कार्यक्रम दिखाया गया। ऐसे उपचार के नीचे यह निर्देश दिया गया कि उन विभागों के अन्दर में जागरूकता कार्य की जाए जो इस बैठक के साथ-गठबंधन बनाना चाहते है। अधिक जागरूकी के लिए प्रिया जेंडर सी. रेस जी. बॉट्जे से तपशील लिये।
चौथ: एक स्वास्थ्य समाज

प्रस्तावना
चौथ पूर्वी दुनिया भर की समस्या खाँसी स्वास्थ्य समस्या है। इस समस्या को भगवान के बावजूद उपयोग करने वाले चीजों ने समस्या पर उन बौद्धिकों से भी कम सूचकात्मक कारण बना दिया। इसी के मुद्दों के लिए यह दाबां आगे बढ़ी है।

यह ऐसी कोई भी घटना या प्रक्रिया जिससे एक बड़ी सदस्य के स्वास्थ्य का प्रभाव होता है, उसे सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या माना जाता बांटिंग है। वह हम चौथ को सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के तौर पर लेते हैं तो हमे होटल, रेस्टोरेंट, पाब्लिक और एन्टल के महत्व का आक्रामक दुर्घटनाओं के कारणों के तौर पर फ़ांसाना होगा। जब तक कि हम ऐसे करने में सक्षम नहीं होंगे हम इस समस्या को वैज्ञानिक तरीकों से उजागर नहीं कर सकते। निश्चित निम्न से पढ़े लोगों को इस बात से सहयोग करने के लिए कि चौथ एक गर्मी सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है, वे अपने मामले को स्वीकार करने से लागू है सार्वजनिक आंदोलन को रखने में सक्षम होना चाहिए।

विविध स्वास्थ्य संस्थाओं के अनुसार "पूरी दुनिया पर महासागर 3.5 फिलिपीण्ड हो बूथारियों से नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं तथा हिंसा से लगाए वाली चीजों से मरते हैं। ऐसी तरह के हादसों से बचने से लगाए खांसी-भरी और दुर्भाग्य भरी पूरी तरह से अंग हो जाता है। और इस तरह इन पुनः ज्ञान लोग अधिक रूप से अंग हो जाता है।" विविध स्वास्थ्य संस्थाओं के आंदोलकों ने निम्नलिखित बातें भी उल्लिखित हैं।

जानकारी कर मीत
- ऊँची आवश्यक वाले देशों में (एंच. आई. सो.): आवश्यकता 2,00,000; खुद - 60,000
- लगा आवश्यक वाले देशों में (एनसी. आई. एस.): आवश्यकता -550,000; खुद -21,50,000 दुनिया में सबसे ज्ञात आवश्यक वाले दो देशों: भारत और चीन में 370,000 आवश्यकता और 50,000 खुद होते हैं।

आयकारी में हैं मोटे
- ऊँची आवश्यक वाले देशों में: वाहन दुर्घटना का चारों- 210,000; खुदी चार- 380,000।

चौथ: एक स्वास्थ्य समाज
चोट लगाने की परिस्थितियाँ

लागाम सभी देशों में चोट लगाने की परिस्थितियाँ एक जैसे हैं - मोर्ट-बाहर, दुर्भाग्य, गिरावट, त्रास, जिसे इतिहास में इतिहास तथा अन्य घटनाओं ने निर्माण किया है। इन घटनाओं को समाप्त करने के लिए, कम औद्योगिक देश में बाहर चोटियां के माध्यम से अधिकरण मोर्ट-बाहर के अंतर्गत और ऐसे चोटों के नए दो ओर होते हैं।

मौत के अन्य कारणों की तुलना में चोट

केवल आपसी बाहर देशों में मौत अधिक बढ़े-बढ़े की होती पाई जाती है। स्वतंत्र अधिक स्थिति और उनकी देशों देशवासी के जिन व्यक्तियों के लिए अधिक मात्रा 65 लाख की उम्र से भी ज्यादा जीती हैं। उसके बाद में भी नर्म-दर अधिकतम के घटना चोट के कारण इन देशों में बढ़े-बढ़े की अनौपचारिक बनाए जा सकते हैं। हालांकि चोट के साथ ही धर्म अधिक सीमाओं में बढ़ जाते हैं, उन लोगों की हत्या वक्तव्य बात होने जिनके द्वारा विविधता ही नहीं है।

मौत के अन्य कारणों की तुलना में चोट

यहुदू दर के अंकड़े मौत के बाद कारणों में हाय प्राप्त, बाहर अनौपचारिक, और केफन के हो रहे होते हैं। यह समय को समय रूप से नकार ले कर सार्वजनिक कारण के लिए जिस्मानी बीमारियों की पहचान चोट से बढ़ाते तथ्यों के अंतर्गत को प्रतिक अंतर्गत होता है।

अपार्श्व-सामाजिक जीवन के वर्तमान (वैश्विक रूप से)

हाल ही में, विश्व कुल और विश्व निर्माता ने मिलकर स्थायी जीवन की कुल मौत को साक्षात माना है। इस लिए, आपसी बाहर देशों में बढ़े बढ़े की जान हाय प्राप्त होती है। देश के विभिन्न जगहों पर जीवन की मौत होती है हाय आयात होता है। लेकिन विश्व के सभी देशों में उन लोगों को मौत के कारणों में हाय प्राप्त होती है।
संक्षिप्त खबर

1. आग में सात कामगारों की मौत

13 दिसंबर, 1993 के दिन चीन के कार्यक्षेत्र क्षेत्र में तेलकर गाथाओं का दीवार आग लगने से 60 कामगारों की मौत हो गई, जिनमें से 12 निम्नाधिकारी और छोटे-बड़े बच्चों की मौत भी शामिल है।

साभार: पापणोनीर (नई दिल्ली), 14 दिसंबर, 1993.

2. पुल के ढहने से 20 कामगार मारे गए

12 दिसंबर, 1993 के दिन हिमाचल प्रदेश के चीन में नौ बच्चों की मौत हो गई। यह हादसा एक पुल के क्षेत्र में हुआ है।

साभार: पापणोनीर (नई दिल्ली), 13 दिसंबर, 1993.

3. रसायन प्लांट के विस्फोट में 61 कामगारों की मौत

चीन के कंट्री स्टेट हुनान में स्वायत्त प्लांट में एक विस्फोट हुआ। इस विस्फोट के कारण 61 कामगार मारे गए।

साभार: पापणोनीर (नई दिल्ली), 13 दिसंबर, 1993.

4. जहाँरीली गेस से कामगारों तीन की मौत

13 दिसंबर, 1993 के दिन चीन में नौ बच्चों की मौत हो गई। यह हादसा एक बात के क्षेत्र में हुआ है।

साभार: पापणोनीर (नई दिल्ली), 13 दिसंबर, 1993.

5. गेस के रिसाव से दस मज़हबों की मौत

6 अक्टूबर, 1993 के दिन चीन में एक गेस के रिसाव से 10 कामगार मारे गए।

साभार: पापणोनीर (नई दिल्ली), 27 अक्टूबर, 1993.

6. चीन के खदान विस्फोट में 20 बच्चों की मौत

28 सितंबर, 1993 के दिन चीन में एक विस्फोट हुआ जिसके कारण 20 बच्चे मारे गए।

साभार: पापणोनीर (नई दिल्ली), 28 सितंबर, 1993.

7. बिलाई स्टेल प्लांट में पाँच मरे

26 अक्टूबर, 1993 के दिन चीन में एक विस्फोट हुआ जिसके कारण 5 बच्चे मारे गए।

साभार: पापणोनीर (नई दिल्ली), 28 सितंबर, 1993.
11. चीन में हुए विस्फोट में 39 की मौत
23 अक्टूबर, 1993 के दिन समुद्र तटवर जियांगशाश् द्रोट में विस्फोट हो जाने से 30 खदान कामगारों की मौत हो गई। इसी जरूरत में चीनी एक ऐसा देश है, जहाँ विस्फोट से मरने की सबसे ज्यादा बालाधारियों होती हैं। चिकित्सा वर्ग में खदान दुर्घटनाओं में 9683 कामगारों की मौत हो चुकी है।
साक्षात्कार: खबर टाइम्स (नई दिल्ली), 24 अक्टूबर, 1993.

12. सिलेंडर के फटने से आठ हताहत
24 सितंबर, 1993 के दिन पूर्वी हिमाल प्रांत के आजाद नगर में स्थित नालों को छोटी और रंगी लेने वाली एक ईंकार के बैसे से भरे सिलेंडर के फटने से आठ लोग हताहत हुए, जिनमें पांच युवाओं तथा अंतर्राष्ट्रीय है।
साक्षात्कार: इक्विड एक्सप्रेस (नई दिल्ली), 25 अक्टूबर, 1993.

13. सुंग दे बहने से 20 खदान कामगारों की मौत
23 अगस्त, 1993 के दिन बिहार को इस खदान के कोमल खदान में हुए विस्फोट से सुंग दे बहन गई, जिसकी कारण 20 कामगार मरे और 18 जख्मी हुए।
साक्षात्कार: द इक्विड ऑफ इंडिया (नई दिल्ली), 24 अगस्त, 1993.

14. चीन के बीच वाले इलाके में भड़के प्रस्फुटन से छह मरे
12 दिसंबर, 1993 के दिन उत्तरी चीन के दिवीदेव प्रांत के तेल लाले इलाके में भड़का प्रस्फुटन से 30 लोग मरे और 585 हताहत हुए, जिनमें हस्तक्षेप लाया गया। चाइला एनामोंटन नियोजन में कहा गया है कि यह प्रचुर नहीं तोल वाले इलाके में 66 फुट के स्थान पर घटी। इस प्रस्फुटन के 11 प्रकट नीचे के 10 फी. भी एक तरीका तक 25 मी. प्रति क्षून प्रत्येक मीटर के बालच से भूकंप होता रहा।
साक्षात्कार: द इक्विड एक्सप्रेस (नई दिल्ली), 13 दिसंबर, 1993.

15. आसनसोल के कॉला खदान दुर्घटना में 55 कामगार मारे गए
26 जुलाई, 1994 के दिन आसनसोल इलाके के कॉला खदान में लगी आग में 55 कामगारों की मौत हो गई। यह खदान एस्ट्रेकन लिमिटेड के नहीं है, जो कोल कॉर्ट्स लिमिटेड की एक ईंकार है। आपातकाल में इस कंपनी के कॉला खदान में द्राक्ष तथा सुरास को सज्जा रिकार्ड लगाया नहीं है। इस दुर्घटना के बारे में जानकारी देने वाला वन नहीं किया गया। नवम्बर 1989 में इसके आस-पास के सस्त्री वाले बाईस में इसी तरह की दुर्घटना हुई थी, जिसमें 66 लोगों को चिकित्सा की बचाव भी नहीं किया गया। कहा जाता रहा कि इसके सीधे मारे गए।
सन 1989-90 में 257 खदान कामगारों को मौत हुई।
सन 1991-92 में 282 खदान कामगार अपनी जिंदगी से हाय वाले बैठे।
1. प्रज्ञन क्षमता के जोखिमों से हर कोई प्रभावित:

लंटन हेन्जोर्ड संदेर के मुख्यालय के सबसे बड़े 200 साल प्रकाश हैं जो काम
कर रहे विद्यार्थी और पुस्तक की प्रज्ञन क्षमता को नष्ट कर सकते हैं।
इस संदेर के मुख्यालय है कि इस सलाह से प्रभावी पुस्तकों में नन्दमुख, बीमे
में कमी, प्रज्ञन क्षमता का विकास हो सकता है। इससे पहिला में प्रज्ञन वाला का विकास
अंशुतम, मालिक भर, संतानवादी, अपरिव्याह के 
विकास में ग्राहकों उत्साह हो सकता है।

ऐसे सलाह को मद्दत या औरतों में प्रज्ञन उचित के विकास को कारण हो सकते हैं,
उनमें ग्राहक, सुन्दर ग्राहक, जन्मदेव में ग्राहक की (कम प्रज्ञन की
बाधा, अपमान, क्वार्टिल में अनमोलकता), प्रज्ञन उचित की
वैशिष्ट्य और वैश्विक पैदा करने में शाली की और माननीय विक्रमीत
भर दिली ग्राहकों की मौत हो सकती है। कुछ देशों के राजनीतिक
पर जाना चाहिए कि इन बिधियों की 16.7% का मदद करती है।

इसलिए, यह नया नया पुस्तककों का प्रमुख
कोसाहर होना है। इसके साथ विशेष जानकारी
पहुँच देने की जरूरत है।

प्रज्ञन क्षमता के जोखिम

- अनेकसंख्या (स्वतंत्रतावादी औद्योग) - नामिक ऑफिसर और
संवादी होलीके
- काँपन मोडांकिसबाग - औरतों के संवादीत्व को नकारूत पुरुषों
है। ग्राहकों के साथ इसके भाषा में आने पर ग्राहक की मौत हो सकती है
या उसमें दिली नकारूत आती है।
- कांपन हिस्बफार्म - इसमे मद्दत और औरतों के लिये नकारू आती है।
यह काफी को सुन्दर पुरुषों को
- फॉरमांसिफार्म - औरतों में बीजगन पैदा कर सकती है और साथ ही
मालिक भर और ग्राहकों के कुक्कुक पुरुषों को
- ग्राहकहोलस - कम बने के कंपनी और द्वितीय का कारण
ग्राहकों की मौत हो सकती है।
- दोषु - सोया, मधुरी (कैलामिनिस), पूरा, संपत्ति (आरोग्य)
शाली, संवाद, मामले, विश्वास, टेलिफोनियम, धूलिम.
- संदेरो - में संबंधों-संबंधों, और, दो, दो, दूसरा, दूसरा, दूसरा,
आयुर्विज्ञान, शाली, विश्वासवादी ग्राहकों
- परिसंचरण - 2.45
dी, 2.45
- पार्करकट, सिमलाइन, अद्वैत, श्रेणी, कैटेल, दूसरे-दूसरे-दूसरे
(पी. सी. इत.) सालिम.
- विश्वसनीयता - विश्वसनीयता पर ऐसे स्थानों पर इसका खतरा है,
जहां पर ग्राहकर्षण और कृति-विश्वसनीयता का निर्माण होता है।
- पॉलिओनिकेटवेटर - यह तरह पूर्व में पहुँच हो और
यह बच्चों के अन्तर्विकास के मुद्दा उठा हुआ मसला है।
उसे मानक भर में उठा यह मसला है।
- विलासित बच्चों - उनके संवादी भेदभाव और ग्राहक
में कृतिरूप का कारण होता है।
कांपन (जेसी मेक) और दूसरे राजनीतिक
प्रणाली भी नकारूत हो सकते हैं।

सामाजिक - हिंदी न 38 मिट्ट 1993/4.

2. दाहिन्दी पर खारे:
दाहिन्दी को तो चाहिए ग्राहकों का साथ सम्बन्ध
करना होता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका के निर्माण कंपनियों ने शिखर वर्णों में निर्माण के काम में बढ़ा रही हैं गृहों को अवसर का उपयोग के लिए प्रमुख दी गई है। इस रिपोर्ट को प्राप्त निम्नलिखित पते से प्राप्त की जा सकती है:

Construction Safety Campaign C/o 255 Popular High Street London, E14, England

4. It is Kiling Us: Cellular Phones and Video Display Terminals

ब्रिटिश ऑटोमेस, विचार वातावरण एवं एक सैमसंग लॉगो का लेख

इस लेख में इस समस्या को देखा गया है कि सेटूलाप प्रॉक्स ने निकलने वाले वातावरण-मंगलक हार्म्यूनिक जीवन से भरा है। इसका निषेध कहा गया है कि कुछ सावधानियों के साथ नहीं चाहिए, क्योंकि इसके काफ़ी समय तक निकला है। इसकी प्रति निम्नलिखित पते से प्राप्त की जा सकती है:

Central Connecticut State University 1615 Stanley Street New Britain, CT 06050

5. Worker's World

बर्कस वर्ल्ड बायी कंपनियों की दुनिया - इंटरनेशनल लेव्य रिसर्च एंड इंफॉर्मेशन युप (आई, इल, आर, आई.) का एक प्रक्षेपण है। यह शोध तथा सेवाएं मुदाय करते का एक प्रक्षेपण है, जो दुनियाव्यापी आक्रामकता का एक अध्ययन है, जो दुनियाव्यापी आक्रामकता का एक अध्ययन है।

संस्थान नंबर : 14 Community House 41 Salt River Road, Salt River, Cape Town, 7924.

6. VDU Work and the Hazard to Health

इसमें, सी. लाइफ फॉर वू के ध्यान में स्वस्थता संसाधन गैरस्वास्थ्य का रोकथाम और स्वस्थता संसाधन वे धी. लाइफ का इतिहास है, जहाँ इसकी सांस्कृतिकता का भाग बनाने के लिए प्रयासों का नित्य संभाला जा रहा है।

सी. मैनेजमेंट पाउडर प्राप्त के लिए निम्नलिखित पते से संपर्क करें: London Hazard Centre Headland House, 308 Gray's Inn Road, London WC1X 8DS.